



महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म0प्र0)

ऑनलाइन प्रवेश
सत्र 2024-25

स्नातक प्रथम वर्ष /स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु इच्छुक आवेदकों के लिए

प्रवेश नियम एवं मार्गदर्शी सिद्धांत पुस्तिका

कुलसचिव, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय परिसर,
फोन नम्बर - 07682-244442, 07682-240673

E-mail : itcellmcbu@gmail.com

Web Site : <https://mcbu.ac.in/>

विचार, कर्म एवं व्यवहार की उत्कृष्ट अभिव्यक्ति ही शिक्षा है।

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक अध्ययनशालाओं की स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए
प्रवेश नियम एवं मार्गदर्शी सिद्धांत

सत्र 2024-25

अनुक्रमणिका

क्रं.	विषय	उपविषय	पृ.क्र.	
1	प्रयुक्ति		4	
2	पोर्टल की जानकारी		4	
3	आयु संबंधी प्रावधान		4	
4	अर्हताकारी परीक्षा 10+2 से संकाय/विषय परिवर्तन संबंधी निर्देश		4	
4	स्नातक प्रथम वर्ष / स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में नियमित प्रवेश हेतु पात्रता		4-5	
	4.1	स्नातक स्तर हेतु अर्हतायें	4-5	
	4.1.1	पात्रता प्रमाण पत्र संबंधी स्पष्टीकरण (स्नातक प्रवेश)	5-6	
	4.2	स्नातकोत्तर स्तर हेतु अर्हतायें	6	
	4.2.1	पात्रता प्रमाण पत्र संबंधी स्पष्टीकरण (स्नातकोत्तर प्रवेश)	6-7	
5	प्रवेश प्रक्रिया:-		6-7	
5.1	पंजीयन, पंजीयन शुल्क भुगतान		6-7	
5.2	पंजीयन हेतु पूरक प्राप्त विद्यार्थियों संबंधी निर्देश	5.2.1	ई-सत्यापन संबंधी निर्देश	8
5.3	पाठ्यक्रम चयन प्रक्रिया		8	
5.4	पंजीयन हेतु आवश्यक प्रमाण-पत्र/ दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया	5.4.1	अंकसूची संबंधी	8-9
		5.4.2	जाति प्रमाण पत्र संबंधी	9
		5.4.3	संवर्ग प्रमाण पत्र संबंधी	9
		5.4.4	अधिभार हेतु प्रमाण पत्र संबंधी	9
		5.4.5	मूल निवासी संबंधी	9-10
5.5	पंजीकृत आवेदकों के दस्तावेजों के ऑनलाइन सत्यापन की प्रक्रिया	5.5.1	ऑनलाइन सत्यापन संबंधी निर्देश	10
		5.5.2	असत्यापित/ त्रुटिपूर्ण आवेदन संबंधी निर्देश	10-11
5.6	ऑनलाइन गुणानुक्रम अनुसार आवंटन सूची का प्रकाशन	5.6.1	प्रवेश आवंटन हेतु गुणानुक्रम एवं प्राथमिकता का निर्धारण	11-12
		5.6.2	प्रथम चरण में प्रवेश हेतु सीट आवंटन प्रक्रिया	

	5.7	संकाय आवंटन पश्चात प्रवेश शुल्क भुगतान के पूर्व आवेदकों द्वारा ऑनलाइन विषय चयन किये जाने संबंधी निर्देश	12-15
	5.8	ऑनलाइन प्रवेश शुल्क (नामांकन शुल्क अलग से) भुगतान प्रक्रिया	15-16
	5.9	उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रवेशित विद्यार्थियों द्वारा संबंधित विश्वविद्यालय में रिपोर्टिंग प्रक्रिया	16
	5.10	विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित सर्टिफिकेट कोर्स चयन प्रक्रिया	16
6	द्वितीय चरण में रिक्त स्थान पर प्रवेश हेतु पुनः विकल्प चयन एवं आवंटन प्रक्रिया		17
	6.1	पुनः विकल्प चयन प्रक्रिया	17
	6.2	आवंटन प्रक्रिया	17
7	ऑनलाइन यू.एल.सी. चरण में विश्वविद्यालय के रिक्त स्थानों पर प्रवेश हेतु पुनः विकल्प चयन एवं आवंटन प्रक्रिया		17
8	प्रवेश निरस्ती करण प्रक्रिया		18
9	रुक जाना नहीं अंतर्गत प्रवेश		18
10	शासकीय सेवक के स्थानान्तरित होने पर पाल्यों के प्रवेश		19
11	पूरक प्राप्त आवेदकों के प्रवेश		19
12	म. प्र. शासन द्वारा विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु हितग्राही योजनायें		19-20
13	वन-स्टेप-अप योजनान्तर्गत प्रवेश		23
14	स्ववित्तीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी प्रावधान		23-24
15	प्रावधिक प्रवेश हेतु पात्रता		24
16	प्रवेश नवीनीकरण प्रक्रिया		24-26
17	स्नातक कक्षाओं में एटीकेटी/पूरक से संबंधित प्रवेश नियम		26-27
18	स्नातकोत्तर कक्षाओं में एटीकेटी/पूरक से संबंधित प्रवेश नियम		28
19	प्रवेश सीट संख्या का निर्धारण		28
20	समकक्ष बोर्ड संबंधी प्रवेश नियम		28-29
21	प्रवेश की पात्रता		29-30
22	विशेष प्रकरण संबंधी प्रवेश हेतु पात्रता/अपात्रता		29
23	बाह्य राज्य के आवेदकों हेतु प्रवेश नियम		30-31
24	आरक्षण		31-33
25	अधिभार		33-37
26	प्रवेश संबंधी विशेष प्रावधान		37-40
27	प्रवेश समय सारिणी		41-42

**विश्वविद्यालय की शैक्षणिक अध्ययनशालाओं की स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए
प्रवेश नियम एवं मार्गदर्शी सिद्धांत
सत्र 2024-25**

1. प्रयुक्ति:-

मार्गदर्शक सिद्धांत विश्वविद्यालय की सभी शासकीय और शैक्षणिक अध्ययनशालाओं में मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के अंतर्गत अध्यादेश क्रमांक 6 एवं 7 के प्रावधानों के तहत सहपठित करते हुए लागू होंगे तथा समस्त विभागाध्यक्ष इनका पालन सुनिश्चित करेंगे। जिन पाठ्यक्रमों के अध्यादेश/नियम/विनियम में प्रवेश पात्रता हेतु अन्यथा उल्लेख हों, उदाहरणार्थ बी.सी.आई. वहाँ ये नियम अध्ययन शालाओं के सुसंगत पाठ्यक्रमों में लागू नहीं होंगे।

1.1 समस्त विभागों में प्रवेश उपरांत गरिमामयी प्रवेश उत्सव आयोजित किये जाएंगे, जिसमें प्रथम वर्ष के प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु मार्गदर्शी व्याख्यान आयोजित किये जायेंगे।

2. पोर्टल की जानकारी:-

पंजीयन हेतु प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी पोर्टल <https://mcbu.ac.in/> पर उपलब्ध रहेगी।

3. आयु संबंधी प्रावधान:-

विद्यार्थियों के लिए आयु सीमा का कोई बंधन नहीं होगा।

4. स्नातक प्रथम वर्ष/स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में नियमित प्रवेश हेतु पात्रता:-

4.1 स्नातक स्तर हेतु:-

10+2 परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता निम्नानुसार होगी:-

सं.क्र.	10+2 अर्हकारी परीक्षा	स्नातक कक्षा में प्रवेश
1	विज्ञान	विज्ञान संकाय के सुसंगत विषय/वाणिज्य संकाय/ कला संकाय/गृहविज्ञान संकाय/बी.बी.ए./बी.सी.ए.
2	वाणिज्य	वाणिज्य संकाय/कला संकाय/गृहविज्ञान संकाय/ बी.बी.ए./ बी.सी.ए.
3	कला	कला संकाय/गृहविज्ञान संकाय/बी.बी.ए./बी.सी.ए.
4	गृहविज्ञान	गृहविज्ञान संकाय/कला संकाय
5	कृषि	कला संकाय/बी.एस.सी.(जीव विज्ञान समूह) (जीव विज्ञान विज्ञान समूह के एलाइड विषयों जैसे - माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, सीड टेक्नोलॉजी आदि विषय) (टीप:- म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के पत्रक्रमांक 394/73/सी.सी./2017 दिनांक 03.05.2018 के

		अनुसार)
6	व्यावसायिक पाठ्यक्रम	कला संकाय/वाणिज्य संकाय/विज्ञान संकाय/गृह विज्ञान संकाय अंकसूची में दर्शित विषयों के अनुसार इस हेतु (बिंदु क्र. 5.16 का अवलोकन करें)

4.1.1. पात्रता प्रमाण पत्र संबंधी स्पष्टीकरण:-

10+2 का तात्पर्य मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित या अन्य राज्यों के विद्यालयों की इंटरमीडियट बोर्ड या 12 वीं बोर्ड की समकक्ष परीक्षा से है।

स्पष्टीकरण:- मध्यप्रदेश राज्य के मूल निवासी आवेदक जिन्होंने मध्यप्रदेश राज्य से सी.बी.एस.ई./आई.सी.एस.ई./एम.पी. बोर्ड से मुक्त बोर्ड (Open Board)/एम.पी. बोर्ड/ पोर्टल पर प्रदर्शित मान्य बोर्ड से बारहवीं परीक्षा उत्तीर्ण की हो, ऐसे विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए किसी भी विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। अन्य राज्यों से बारहवीं उत्तीर्ण (10+2) विद्यार्थियों को नियमानुसार संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त प्रवेश से पूर्व प्राप्त करना अनिवार्य होगा। जिसे ऑनलाइन प्रवेश के समय विद्यार्थी को अपलोड करना होगा।

4.1.2. आई.टी.आई. उत्तीर्ण आवेदक 12 वीं (10+2) समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होने पर ही स्नातक प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होंगे।

4.1.3. मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रं. 667/175/सी.सी./18/38 दिनांक 10.07.2018 द्वारा बी.सी.ए. में प्रवेश हेतु 10+2 परीक्षा किसी भी संकाय (कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं जीवविज्ञान) में उत्तीर्ण विद्यार्थी गुणानुक्रम अनुसार प्रवेश हेतु पात्र होंगे।

4.1.4. मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल से पूर्व के हायर सेकेण्ड्री (ग्यारहवीं) उत्तीर्ण आवेदकों को स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

4.1.5. यू.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु विश्वविद्यालय की पात्रता अनुसार ही विद्यार्थी पात्र होंगे।

4.1.6. **व्यावसायिक पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण आवेदक:-** माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में विज्ञान से मिलते जुलते विषय जैसे लेबोरेट्री मेडिसिन मैनेजमेंट एवं सिस्टम सिस्टम एनालिसिस, क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट सिस्टम तथा कम्प्यूटर से संबंधित विषय और प्रिंटिंग ऑफ डाटा-प्रोसेसिंग, मैनेजमेंट एण्ड सिस्टम एनालिसिस, एनालिसिस, डी.टी.पी. पैकेज प्रोग्रामिंग, वर्कशाप प्रैक्टिस आदि सम्मिलित हैं। उपरोक्त विषयों के साथ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल द्वारा संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रम 10+2 के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद ही संबंधित संकाय में प्रवेश दिया जा सकेगा।

ऑनलाइन पंजीयन के समय संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र अपलोड करना आवश्यक होगा। किसी भी कक्षा में प्रवेश हेतु पात्रता प्रमाण-पत्र संबंधी निर्धारण में संदेह होने पर संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा जारी पात्रता प्रमाण-पत्र को अंतिम माना जायेगा।

4.2 स्नातकोत्तर स्तर हेतु:-

स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों को एम.ए./एम.कॉम./एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार होगी।

सं.क्र.	कक्षा	अर्हकारी परीक्षा
1	एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर	बी.कॉम./ बी.कॉम. (तीन वर्षीय)
2	एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर	बी.एस.सी. संबंधित विषय के साथ (तीन वर्षीय)
3	एम.एस.सी.(गृहविज्ञान) प्रथम सेमेस्टर	बी.एस.सी. (गृहविज्ञान) (तीन वर्षीय)
4	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण (तीन वर्षीय)
5	एम.बी.ए.(टुरिज्म/होटल मैनिज्मेन्ट)	किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण (तीन वर्षीय)

4.2.1. पात्रता प्रमाण पत्र संबंधी स्पष्टीकरण:- मध्यप्रदेश राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर स्तर में प्रवेश हेतु पात्रता प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। मध्यप्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्य के विश्वविद्यालयों से स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों को नियमानुसार संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

4.2.2. पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु विश्वविद्यालय की पात्रता अनुसार ही विद्यार्थी पात्र होंगे।

5. प्रवेश प्रक्रिया:-

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक अध्ययनशालाओं के स्नातक प्रथम वर्ष तथा स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में सत्र 2024-25 हेतु केन्द्रीकृत ऑनलाईन प्रवेश की व्यवस्था होगी। सत्र 2024-25 प्रवेश प्रक्रिया में दो मुख्य चरण एवं दो यू.एल.सी. चरण संचालित किये जायेंगे। ऑनलाईन प्रवेश प्रवेश व्यवस्था में सर्वप्रथम आवेदक को अपना ऑनलाईन पंजीयन, ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया हेतु विश्वविद्यालय द्वारा पृथक से जारी समय सारणी अनुसार निर्धारित समयावधि में अनिवार्यतः कराना होगा।

5.1. पंजीयन, पंजीयन शुल्क भुगतान एवं नामांकन प्रक्रिया:-

5.1.1. ऑनलाईन पंजीयन, की कार्यवाही के अंतर्गत स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए आवेदक को विश्वविद्यालय द्वारा घोषित विषय-समूह (गणित/जीवविज्ञान/वाणिज्य/कला/गृहविज्ञान इत्यादि) का चयन करना होगा जिनमें आवेदक प्रवेश चाहता है। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर पर कक्षाओं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन की कार्यवाही के साथ विषय चयन एवं अध्ययनशाला का चयन करना होगा।

5.1.2. विश्वविद्यालय द्वारा जारी समय सारणी अनुसार आवेदक ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। आवेदक अपना पंजीयन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं या कियोस्क द्वारा कर सकेंगे।

5.1.3 विश्वविद्यालय द्वारा जारी समय सारणी अनुसार आवेदक ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। आवेदक अपना पंजीयन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं या कियोस्क द्वारा कर सकेंगे।

5.1.4. पंजीयन के पश्चात आवेदक आवेदन का प्रिंट आउट प्राप्त कर समस्त प्रविष्टियों जैसे- नाम, माता/पिता का नाम, जन्मतिथि (10 वीं/12 वीं की अंकसूची के अनुसार) श्रेणी,वर्ग, प्राप्तांक, मोबाईल नंबर एवं अधिभार प्रमाण पत्र की जानकारी इत्यादि की सावधानीपूर्वक जाँच कर लें एवं सुनिश्चित करें कि दर्ज जानकारी एवं स्पेलिंग पूर्णतः सही है। दर्ज प्रविष्टियों की समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।

5.1.5. स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु अर्हकारी स्नातक अंतिम वर्ष/अंतिम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में प्रावधिक प्रवेश हेतु वार्षिक पद्धति के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष/सेमेस्टर पद्धति के प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर तक के कुल अंकों के प्राप्तांकों का प्रतिशत ऑनलाइन पंजीयन के समय दर्ज करना होगा। प्रथम एवं द्वितीय चरण तथा यू.एल.सी. चरण में स्नातक अंतिम वर्ष/अंतिम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम तथा वार्षिक पद्धति के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष/सेमेस्टर पद्धति के प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर के कुल अंकों की प्रवीण्यता प्राप्तांकों के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

5.1.6. प्रवेश प्रक्रिया के मध्य परीक्षा परिणाम घोषित होने की स्थिति में आवेदकों को स्वयं/अभिभावक को उपस्थित होकर हेल्पसेन्टर के माध्यम से पोर्टल पर अद्यतन परीक्षा परिणाम अंकित कराना एवं सत्यापन की कार्यवाही पूर्ण कराना अनिवार्य होगा।

5.1.7. पंजीयन शुल्क का भुगतान निम्नानुसार देय होगा:-

सं.क्र.	शुल्क	राशि	वर्ग
1	पंजीयन शुल्क	200/-	सामान्य/अन्य पिछडा वर्ग के आवेदकों के लिये
		100/-	अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के आवेदकों के लिये
2	पोर्टल शुल्क	150/-	समस्त श्रेणी के आवेदकों के लिये देय होगा।

आवेदकों द्वारा पंजीयन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन डिजिटल माध्यम से ही किया जा सकेगा। तत्पश्चात् ही ऑनलाइन ई-सत्यापन होगा।

5.2. पंजीयन हेतु पूरक प्राप्त विद्यार्थियों संबंधी निर्देश:-

कक्षा 12 वीं में पूरक प्राप्त विद्यार्थियों को भी प्रावधिक प्रवेश के लिए पंजीयन कराना अनिवार्य है। ऐसे आवेदक प्रथम चरण में पंजीयन कर सकेंगे परंतु आवश्यक दस्तावेज /प्रमाण पत्र अपलोड करने एवं विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम चयन की प्रक्रिया यू. एल. सी. चरण की निर्धारित समय सीमा में ही कर सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया संचालन के मध्य पूरक परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित होने पर उन्हें आगामी चरण/यू.एल.सी. में अपने ऑनलाइन आवेदन को अद्यतन करने के साथ ही पाठ्यक्रम की च्वाइस फिलिंग एवं दस्तावेज/प्रमाण पत्र को स्कैन कर अनिवार्यतः ऑनलाइन अपलोड करना होगा।

5.2.1. प्रवेश प्रक्रिया के यू.एल.सी. चरण तक आवेदकों के पूरक परीक्षा के परिणाम घोषित न होने की स्थिति में इन विद्यार्थियों को स्थान रिक्त रहने पर ही प्रावधिक प्रवेश दिया जा सकेगा।

5.3. **पाठ्यक्रम चयन प्रक्रिया:-**

सत्र 2024-25 की ऑनलाइन ई-प्रवेश प्रक्रिया में पंजीयन के समय आवेदक न्यूनतम 1 एवं अधिकतम 7 पाठ्यक्रमों का चयन करते हुए विकल्प चयन (च्वाइस फिलिंग) कर सकेंगे।

5.4. **पंजीयन हेतु आवश्यक प्रमाण पत्र/दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया:-**

ई सत्यापित आवेदकों को कोई भी दस्तावेज अपलोड नहीं करना होगा केवल अधिभार के इच्छुक इच्छुक आवेदकों को संबंधित दस्तावेज अपलोड करने होंगे। जिन आवेदकों का ई सत्यापन नहीं हुआ है ऐसे आवेदकों पंजीयन के समय आवेदक को ई-सत्यापन हेतु निम्नलिखित आवश्यक आवश्यक दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करना होगा (स्पष्ट एवं पठनीय)-

(अ) अंक सूची-न्यूनतम अर्हकारी परीक्षा स्नातक प्रथम वर्ष हेतु बारहवीं, स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर हेतु स्नातक अंतिम वर्ष/षष्ठम सेमेस्टर (मार्गदर्शिका की कण्डिका 4.4.1. का अवलोकन करें)

(ब) जाति प्रमाण पत्र- (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग) यदि लागू हो तो (मार्गदर्शिका की कण्डिका 4.4.2. का अवलोकन करें)

(स) संवर्ग प्रमाण पत्र- (दिव्यांग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के संबंधी/उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों के पाल्य आदि) यदि लागू हो तो (मार्गदर्शिका की कण्डिका 4.4.3. का अवलोकन करें)

(द) अधिभार संबंधी प्रमाण पत्र, यदि लागू हो तो (मार्गदर्शिका की कण्डिका 4.4.4. का अवलोकन करें)

अपलोड किये जाने वाले दस्तावेजों के संबंध में निर्देश एवं स्पष्टीकरण

5.4.1. **अंक सूची संबंधी:-**

(अ) स्नातक स्तर में कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण आवेदकों की मूल अंकसूची के अभाव में पंजीयन के समय आवेदक की इन्टरनेट से डाउनलोड की गई स्वप्रमाणित अंक सूची मान्य होगी।

(ब) स्नातकोत्तर स्तर में प्रवेश हेतु स्नातक अंतिम वर्ष/षष्ठम (छठवे) सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में आवेदक प्रावधिक प्रवेश हेतु केवल स्नातक द्वितीय

वर्ष/पंचम (पांचवे) सेमेस्टर की अंकसूची के साथ तृतीय वर्ष /षष्ठम(छठवे) सेमेस्टर की नेट डाउनलोड की गई अंक सूची को स्वसत्यापित करने के बाद एक साथ दोनों अंकसूची स्कैन कर अपलोड करना सुनिश्चित करेंगे।

5.4.2. जाति प्रमाण पत्र संबंधी:-

आयुक्त उच्च शिक्षा के पत्र क्रमांक 352/243/आउशि/शा-5अ/2019 भोपाल दिनांक 13.06.2019 के अनुक्रम में अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के आवेदकों के पास उनके स्वयं के नाम का जाति प्रमाण पत्र न होने की स्थिति में आवेदक के पिता के नाम पर जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र को प्रवेश आवेदन में पंजीयन हेतु मान्य किया गया है।

(अ) ऑनलाइन पंजीयन के समय आवेदक के स्वयं के नाम का जाति प्रमाण पत्र न होने की स्थिति में पिता के नाम का स्थायी जाति प्रमाण पत्र अपलोड करना आवश्यक होगा। उसके पश्चात् ही प्रवेश हेतु जाति प्रमाण पत्र का सत्यापन एवं लाभ प्राप्त हो सकेगा।

(ब) आवेदक का डिजिटल जाति प्रमाण पत्र न होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी पूर्व के वैध जाति प्रमाण पत्र भी सत्यापन हेतु मान्य किये जावेंगे।

5.4.3. संवर्ग प्रमाणपत्र संबंधी:-

संवर्ग प्रमाण पत्र का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदक मार्गदर्शिका के बिंदु क्रं. 26 का आवश्यक रूप से अवलोकन करें तत्पश्चात् ही पंजीयन के समय प्रमाण पत्र अपलोड करें।

5.4.4. अधिभार हेतु प्रमाण पत्र संबंधी:-

(अ) स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अधिभार हेतु आवेदक स्कूल स्तर के विगत चार क्रमिक क्रमिक सत्र (अर्थात् सत्र 2020-21 के पूर्व के मान्य नहीं होंगे) तक के प्रमाण पत्र ही पंजीयन के समय अपलोड कर सकेंगे।

(ब) स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के अधिभार हेतु स्नातक स्तर में आवेदक के विगत तीन क्रमिक सत्र (अर्थात् सत्र 2021-22 के पूर्व के मान्य नहीं होंगे) तक के प्रमाण पत्र ही पंजीयन के समय अपलोड कर सकेंगे।

(स) एक से अधिक अधिभार प्राप्त होने पर केवल सर्वाधिक अधिभार का लाभ एक ही वर्ग से दिया जायेगा। आवेदक सर्वाधिक अधिभार वाला प्रमाण पत्र ही पंजीयन के समय अपलोड करें।

(द) अधिभार का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदक मार्गदर्शिका के बिंदु क्रं. 25 का आवश्यक रूप से अवलोकन करें तत्पश्चात् ही पंजीयन के समय प्रमाण पत्र अपलोड करें।

5.4.5. मूल निवासी संबंधी:-

मध्यप्रदेश के मूल निवासी हैं उन्हें पंजीयन के समय मध्यप्रदेश के मूलनिवासी का प्रमाण पत्र अनिवार्यतः अपलोड करना होगा अन्यथा उन्हें मध्यप्रदेश के मूल निवास का लाभ प्राप्त नहीं होगा।

5.5. पंजीकृत आवेदकों के दस्तावेजों की ऑनलाईन सत्यापन प्रक्रिया:-

(अ) पंजीकृत आवेदकों को दस्तावेजों के सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय में आने की आवश्यकता नहीं होगी। आवेदक के दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के हेल्पसेंटर के माध्यम से ऑनलाईन संपन्न की जावेगी।

(ब) सत्र 2024-25 से ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया में सत्यापन की प्रक्रिया हेतु स्नातक प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के आवेदकों के ऑनलाईन पंजीयन फार्म का अपलोड किए गए दस्तावेजों के आधार पर विश्वविद्यालय के हेल्पसेन्टर द्वारा ऑनलाईन सत्यापन किया जावेगा।

(स) आवेदक पंजीयन के समय आवश्यक प्रमाण पत्रों/अधिभार हेतु दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करेंगे। आवेदक यह सुनिश्चित करेंगे कि अपलोड प्रमाण पत्र/दस्तावेज पूर्णतः स्पष्ट एवं पठनीय हो।

5.5.1. ऑनलाईन सत्यापन संबंधी निर्देश:-

(अ) ऑनलाईन सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय का हेल्पसेन्टर ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदकों के पंजीयन फार्म के सत्यापन हेतु अपलोड किए गए प्रमाण पत्र/दस्तावेजों को डाउनलोड कर परीक्षण उपरांत संबंधित अधिकारी "सत्यापन पूर्ण" के बॉक्स पर क्लिक करेंगे, जिससे आवेदक का ऑनलाईन सत्यापन सुनिश्चित हो सकेगा।

(ब) सत्यापन अधिकारी ऑनलाईन सत्यापन संबंधी कार्यवाही निर्धारित समय-सीमा के एक दिवस पूर्व तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।

(स) आवेदक का फार्म ऑनलाईन सत्यापित होते ही इसकी सूचना आवेदक के पंजीकृत मोबाईल मोबाईल नं./ई-मेल पर संदेश के माध्यम से प्रेषित की जावेगी।

(द) आवेदक स्वयं भी अपने लॉगिन आई.डी. से आवेदन फार्म के ऑनलाईन सत्यापन की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

5.5.2. असत्यापित/त्रुटिपूर्ण आवेदन संबंधी निर्देश:-

(अ) यदि किसी आवेदक के पंजीयन आवेदन पत्र में त्रुटि है या अपलोड किए गए आवश्यक प्रमाण पत्र/दस्तावेज अस्पष्ट/अपर्याप्त/अपूर्ण पाये जाते हैं तो ऐसी स्थिति में आवेदन फार्म का ऑनलाईन सत्यापन नहीं किया जा सकेगा।

(ब) संबंधित सत्यापनकर्ता अधिकारी ऐसे आवेदन पत्रों को त्रुटिपूर्ण/असत्यापित आवेदन फार्म की सूची में रखेंगे। ऐसे त्रुटिपूर्ण प्रकरणों की जानकारी का संधारण किया जायेगा। ऐसे आवेदक जिनके दस्तावेजों में अस्पष्टता या त्रुटि पाई जाती है, इस आशय की सूचना आवेदक के पंजीकृत मोबाईल/ई-मेल पर प्रेषित करनेका दायित्व संबंधित आई.टी. सेल का होगा। सत्यापनकर्ता अधिकारी आवेदक के आवेदन फार्म को "असत्यापित या त्रुटिपूर्ण" वर्ग में क्लिक

करेंगे। इसकी सूचना आवेदक को पंजीकृत मोबाईल/ई-मेल एम. पी. ऑनलाइन द्वारा संदेश के माध्यम से भी दी जावेगी। आवेदक पंजीकृत मोबाईल नंबर पर संदेश (एस.एम.एस. एवं ई प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध कैंडिडेट स्टैटस से) चेक करते रहे।

(स) ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया हेतु निर्धारित समय सारणी अनुसार आवेदक स्वयं/अभिभावक मूल मूल दस्तावेजों के साथ विश्वविद्यालय के हेल्पसेन्टर में उपस्थित होकर त्रुटि सुधार/पुनः सत्यापित करवा सकेंगे। अन्यथा की स्थिति में आवेदक स्वयं जिम्मेदार होगा। त्रुटि सुधार कर उनके सही दस्तावेज अपलोड कर पुनः विकल्प चयन करवाकर पुनः सत्यापन की कार्यवाही पूर्ण पूर्ण करेंगे। हेल्पसेन्टर ऐसे आवेदकों के पंजीयन आवेदन में त्रुटि सुधार कर उनके सही दस्तावेज अपलोड कर, पुनः विकल्प चयन करवाकर, पुनः सत्यापन की कार्यवाही पूर्ण करेंगे। इसके पश्चात ऑनलाइन सत्यापन पर्ची (ऑनलाइन वेरिफिकेशन स्लिप) आवेदक को दी जावेगी।

मेल (द) आवेदक का फार्म ऑनलाइन सत्यापित होने की सूचना आवेदक के पंजीकृत मोबाईल/ई- पर संदेश के माध्यम से प्रेषित की जावेगी। आवेदक स्वयं भी अपने लॉगिन आई.डी. से आवेदन फार्म के ऑनलाइन सत्यापन की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

(य) सत्यापन के समय अपूर्ण जानकारी युक्त/अनावश्यक दोहराव/एक जैसे पंजीयन आवेदन आने पर सत्यापनकर्ता अधिकारी उसे ऑनलाइन उपलब्ध कराये गये गार्वेज टैब पर प्रेषित करेंगे करेंगे जिससे विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अनावश्यक लंबित आवेदन न हों।

(र) सत्यापन के पश्चात परंतु ऑनलाइन शुल्क जमा करने के पूर्व यदि कोई त्रुटि/विसंगति संज्ञान में आती है तब मूल दस्तावेजों से परीक्षण कर विश्वविद्यालय के सहायता केन्द्रों (हेल्पसेन्टर) के माध्यम से त्रुटि सुधार हेतु की जायेगी। त्रुटिसुधार उपरांत आवेदक पुनः विकल्प विकल्प चयन कर पुनः सत्यापन की प्रक्रिया अनिवार्यतः पूर्ण करेंगे।

(ल) निर्धारित तिथियों में पंजीकृत/सत्यापित आवेदकों को ही गुणानुक्रम अनुसार विश्वविद्यालय में प्रवेश आवंटन हेतु सम्मिलित किया जायेगा।

5.6. प्रवेश आवंटन हेतु गुणानुक्रम एवं प्राथमिकता का निर्धारण:-

(अ) गुणानुक्रम का निर्धारण-

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए अर्हकारी परीक्षा में प्राप्तांक एवं अधिभार यदि कोई देय हो तो अधिभार को जोड़कर समग्र अंकों के आधार पर गुणानुक्रम का निर्धारण किया जाएगा। सामान्य एवं आरक्षित श्रेणी के लिये पृथक-पृथक गुणानुक्रम सूची तैयार की जाएगी।

(ब) स्नातकोत्तर कक्षा में प्राथमिकता का निर्धारण:-

किसी एक विषय में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण नियमित विद्यार्थी को अन्य किसी दूसरे संकाय के विषय की स्नातकोत्तर कक्षा में स्थान रिक्त रहने की दशा में ही पात्रतानुसार यू.एल.सी. चरण में नियमित प्रवेश दिया जा सकेगा। ऐसे आवेदक प्रथम चरण में पंजीयन कर

सकेंगे परन्तु आवश्यक दस्तावेज/प्रमाणपत्र अपलोड करने एवं पाठ्यक्रम चयन की प्रक्रिया यू.एल.सी. चरण की निर्धारित समय सीमा में ही कर सकेंगे।

5.6.1. प्रथम चरण में प्रवेश हेतु सीट आवंटन प्रक्रिया:-

(अ) ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के प्रथम चरण की आवंटन सूची पोर्टल पर उनकी लॉगिन आई.डी. पर उपलब्ध रहेगी। शुल्क भुगतान उपरांत आवेदक द्वारा प्रवेश निरस्त कराने पर ऐसे विद्यार्थियों की सूची भी पोर्टल पर प्रदर्शित होगी।

(ब) प्रथम चरण में सभी ई-सत्यापित आवेदकों को गुणानुक्रम एवं उनके संकाय/विषय के आधार पर विश्वविद्यालय में प्रवेश आवंटन, ऑनलाईन प्रवेश समय सारणी अनुसार पोर्टल पर जारी किये जावेंगे।

(स) इसकी सूचना आवेदकों को उनके द्वारा पंजीयन के समय दर्ज मोबाईल नं./ई-मेल पर संदेश के द्वारा दी जायेगी साथ ही, आवेदक अपना प्रवेश आवंटन आवश्यक रूप से प्रवेश पर स्वयं भी लॉगिन पासवर्ड से चेक कर आवंटन पत्र डाउनलोड कर सकेंगे।

(द) आवंटन प्राप्त होने के उपरांत प्रवेश के लिए आवेदकों को विश्वविद्यालय में जाने/प्रवेश शुल्क भुगतान हेतु लिंक इनीशिएट कराने की आवश्यकता नहीं होगी। आवेदक विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु ऑनलाईन विषय चयन के उपरांत प्रवेश शुल्क (विश्वविद्यालय के नामांकन शुल्क अलग से) का भुगतान ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन डिजिटल विकल्पों का उपयोग करते हुए समय-सारणी अनुसार निर्धारित तिथि तक कर सकेंगे।

(य) प्रवेश पोर्टल से शुल्क जमा करने की पुष्टि होने पर ही आवेदक का नाम विश्वविद्यालय की प्रवेश सूची में दर्शित होगा।

5.7. संकाय आवंटन पश्चात् प्रवेश शुल्क भुगतान के पूर्व आवेदकों द्वारा ऑनलाईन विषय चयन किये जाने संबंधी निर्देश:-

5.7.1. आवेदकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में नवीन पाठ्यक्रम अनुसार सर्वप्रथम ऑनलाईन विषय चयन की प्रक्रिया के अंतर्गत पूर्व पात्रतानुसार तीन मुख्य विषय पोर्टल पर प्रदर्शित होंगे। आवेदक आवंटित तीन मुख्य विषय को ही चयनित कर सकता है। आवेदक अभिरूचि अनुसार तीन मुख्य विषय में से किसी एक के स्थान पर अन्य संकाय से तीसरे मुख्य मुख्य विषय का चयन भी कर सकता है। आवेदक को किसी भी संकाय से एक जैनेरिक विषय एवं एक व्यावसायिक विषय अथवा वैकल्पिक विषय का चयन करना स्वैच्छिक होगा। इसके साथ ही आवेदक को अनिवार्यतः प्रोजेक्ट आदि के अंतर्गत टॉप डाउन मेन्यू में दर्शाये गये विकल्प में से किसी एक का चयन करना होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मध्य प्रदेश के सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षा सत्र 2021-22 से लागू की गयी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में योग्यता एवं कौशल संवर्धन हेतु आधार पाठ्यक्रम एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम स्नातक प्रथम वर्ष का समावेश किया गया है।

संकायवार विद्यार्थी तीन विषय के विषय समूह का चयन करेगा इसके पश्चात प्रवेश हेतु उन तीन विषयों में से कोई एक विषय मुख्य विषय (Major Subject) एवं दूसरा विषय गौड विषय

(Minor Subject) के रूप में लेना अनिवार्य है। तीसरा विषय वैकल्पिक विषय (Elective Subject) के रूप में लिया जा सकता है अथवा इसके स्थान पर अपने संकाय विषयों के अतिरिक्त अन्य दो संकायों की वैकल्पिक विषयों की सूची से किसी एक विषय का चयन किया जा सकता है। विद्यार्थी की वैकल्पिक विषय के चयन में विशेष सावधानी रखना होगी।

विश्वविद्यालय द्वारा 11 व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित है इनमें से कोई एक विषय का चयन व्यवसायिक पाठ्यक्रम के रूप में चयन किया जा सकता है। इसके साथ ही परियोजना कार्य/ शिक्षुता/ प्रशिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव में से किसी एक का चयन करना होगा।

प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्रों की संख्या	क्रेडिट
मुख्य विषय	दो प्रश्न पत्र	6+6=12
गौण विषय	एक प्रश्न पत्र	6
वैकल्पिक विषय	एक प्रश्न पत्र	6
आधार पाठ्यक्रम	दो प्रश्न पत्र	4+4=8
व्यवसायिक पाठ्यक्रम	एक प्रश्न पत्र	4
परियोजना कार्य/ शिक्षुता/ प्रशिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव	निर्धारित प्रक्रिया अनुसार	4
	कुल क्रेडिट	40

निम्नलिखित विन्दुओं पर विशेष ध्यान दें-

स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु विषय चयन में विशेष सावधानी रखी जायें

- सर्वप्रथम तीन विषयों के विषय समूह से किसी एक विषय समूह का चयन।
- चयन किये गये विषय समूह से प्राथमिकता के आधार पर
 - एक विषय मुख्य विषय के रूप में।
 - एक विषय गौण विषय के रूप में।
 - शेष बचा हुआ तीसरा विषय, वैकल्पिक विषय के रूप में चयन करें अथवा अन्य संकाय की वैकल्पिक विषय की सूची से किसी एक विषय का चयन किया जा सकता है।
 - आधार पाठ्यक्रम।
 - व्यवसायिक पाठ्यक्रम (यू.टी.डी. में संचालित 11 विषयों में से किसी एक विषय का चयन करना होगा।)
 - परियोजना कार्य/ शिक्षुता/ प्रशिक्षुता।

सामान्य वैकल्पिक विषय (Generic Open Elective)

सं क्र.	केवल कला संकाय के विद्यार्थियों के लिये	केवल विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिये	केवल वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिये
1	Botany (Nursery Management) नर्सरी प्रबंधन	Economics (Indian Economy- An Introduction) भारतीय अर्थव्यवस्था एक परिचय	Botany (Nursery Management) नर्सरी प्रबंधन
2	Chemistry (Chemistry in Everyday Life) दैनिक जीवन में रसायनशास्त्र	English (Communicative English) कम्युनिकेटिव अंग्रेजी	Chemistry (Chemistry in Everyday Life) दैनिक जीवन में रसायनशास्त्र
3	Computer Application (Computer Fundamentals) कम्प्यूटर फंडामेंटल	Geography (Physical Geography) भौतिकी भूगोल	Computer Application (Computer Fundamentals) कम्प्यूटर फंडामेंटल
4	Geology (Elements of Geology) भूविज्ञान के तत्व नोट:- (इस कोर्स का अध्ययन करने के लिये, विद्यार्थी ने गणित समूह या जीव विज्ञान समूह का अध्ययन कक्षा 12वीं में किया हों)	Hindi (Hindi anuprayog aur Vigyapan Vyavsay) हिन्दी अनुप्रयोग और विज्ञापन व्यवसाय	Geology (Elements of Geology) भूविज्ञान के तत्व नोट:- (इस कोर्स का अध्ययन करने के लिये, विद्यार्थी ने गणित समूह या जीव विज्ञान समूह का अध्ययन कक्षा 12वीं में किया हों)
5	Mathematics (Matrices, Geometry and Vector Algebra) मैट्रिक्स, ज्यामितीय और वेक्टर बीजगणित नोट:- (इस पाठ्यक्रम को उन सभी विषयों के विद्यार्थियों द्वारा वैकल्पिक के रूप में चुना जा सकता है जिनके पास 12वीं स्तर पर गणितीय पृष्ठभूमि नहीं है)	History (Heritage Management in India) भारत में विरासत प्रबंधन	Mathematics (Matrices, Geometry and Vector Algebra) मैट्रिक्स, ज्यामितीय और वेक्टर बीजगणित नोट:- (इस पाठ्यक्रम को उन सभी विषयों के विद्यार्थियों द्वारा वैकल्पिक के रूप में चुना जा सकता है जिनके पास 12वीं स्तर पर गणितीय पृष्ठभूमि नहीं है)
6	Physics (Non Conventional Energy Resources) गैर पारंपरिक उर्जा संसाधन	Music (MP Ki Sangeet Virasat) मध्य प्रदेश की संगीत विरासत	Physics (Non Conventional Energy Resources) गैर पारंपरिक उर्जा संसाधन
7	Zoology (Human Diseases) मानव रोग नोट:- (इस कोर्स का अध्ययन करने के लिये, विद्यार्थी ने जीव विज्ञान समूह का अध्ययन कक्षा 12वीं में किया हों)	Philosophy (Philosophical Thinking of Shri Ramcharit Manas) श्री रामचरित मानस का दार्शनिक चिंतन	Zoology (Human Diseases) मानव रोग नोट:- (इस कोर्स का अध्ययन करने के लिये, विद्यार्थी ने जीव विज्ञान समूह का अध्ययन कक्षा 12वीं में किया हों)
8		Political Science (Public Administration Theory & Practice) लोक प्रशासन: सिद्धांत एवं व्यवहार	Economics (Structure of Indian Economy) भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना
9		Sociology (Introduction to Sociology) समाजशास्त्र का परिचय	English (Communicative English) कम्युनिकेटिव अंग्रेजी
10		Madhya Pradesh Me Urdu Gajal मध्य प्रदेश में उर्दू गजल	Geography (Physical Geography) भौतिकी भूगोल
11			Hindi (Hindi anuprayog aur Vigyapan Vyavsay) हिन्दी अनुप्रयोग और विज्ञापन व्यवसाय
12			History (Heritage Management in India) भारत में विरासत प्रबंधन
13			Music (MP Ki Sangeet Virasat) मध्य प्रदेश की संगीत विरासत
14			Philosophy (Philosophical Thinking of Shri Ramcharit Manas) श्री रामचरित मानस का दार्शनिक चिंतन
15			Political Science (Public Administration Theory & Practice) लोक प्रशासन: सिद्धांत एवं व्यवहार
16			Sociology (Introduction to Sociology) समाजशास्त्र का परिचय

17			Arts (Madhya Pradesh Me Urdu Gajal) मध्य प्रदेश में उर्दू गजल
अथवा अन्य वैकल्पिक विषय (सभी संकाय के आवेदकों के लिये)			
1	NCC	NCC	NCC
2	NSS	NSS	NSS
3	Physical Education	Physical Education	Physical Education

व्यावसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course)

S.No.	Name of Vocational Course	S.No.	Name of Vocational Course
1	Electronic Technology	7	Tourism
2	Handicraft	8	Web Designing
3	Horticulture	9	Medical Diagnostics
4	Personality Development	10	Fashion Design
5	Salesmanship	11	Digital Marketing
6	Accounting & Tally		

5.7.2. आवेदक द्वारा विषय चयन करने के उपरांत ऑनलाईन प्रवेश के लिए लिंक स्वतः इनिशिएट हो जावेगी। आवेदक ऑनलाईन शुल्क भुगतान कर प्रवेश सुनिश्चित कर सकेंगे।

5.8. ऑनलाईन प्रवेश शुल्क (नामांकन शुल्क अलग से) भुगतान प्रक्रिया:-

(अ) आवेदक द्वारा पंजीयन करते समय छात्रवृत्ति का लाभ लेने हेतु पूर्व(माध्यमिक स्तर पर) में प्रदान की गयी स्कालरशिप आई डी दर्ज करना होगा।

(ब) ऐसे बालिकांये जिन्होंने स्कूल स्तर पर लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ लिया है। प्रवेश शुल्क भुगतान के पूर्व लाडली लक्ष्मी योजना का चयन कर लाभ प्राप्त कर सकेगी।

(स) सत्र 2024-25 में जनभागीदारी द्वारा संचालित स्ववित्तीय पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले आवेदक यदि अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछडा वर्ग श्रेणी के अंतर्गत आते आते तो उन्हें शुल्क जमा करते समय ही पात्रता अनुसार मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना/ मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना/ मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाईन पोर्टल पर योजना चयनित करने की स्थिति में आवेदक को प्रवेश शुल्क जमा नहीं करना होगा।

(द) आवेदक को ऑनलाईन विषय चयन करने के उपरांत प्रवेश शुल्क सामान्य पाठ्यक्रम हेतु पोर्टल पर प्रदर्शित राशि तथा संबंधित विश्वविद्यालय का नामांकन शुल्क (अलग से) ऑनलाईन कल्याण योजना का चयन भी करना होगा। स्ववित्तीय पाठ्यक्रम मे प्रवेशित विद्यार्थीयो हेतु समस्त शुल्क दो किश्तों मे जमा किया जाएगा। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना/मुख्यमंत्री

जनकल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना एवं कोविड-19 बाल कल्याण योजना तथा लाइली लक्ष्मी योजना 2.0 के आवेदकों के लिए प्रक्रिया कण्डिका 13.1, 13.2 एवं 13.3 के अनुसार होगी।

(य) चयनित विषय के आधार पर प्रवेश शुल्क का भुगतान आवेदक नेट बैंकिंग/क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/यू.पी.आई. के माध्यम से स्वयं कर सकेगा या उपरोक्त सुविधा उपलब्ध न होने पर कियोस्क के माध्यम से शुल्क भुगतान कर प्रवेश प्राप्त कर सकेगा।

(र) प्रवेश शुल्क (नमांकन शुल्क अलग से) भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण होते ही आवेदक को प्रवेश प्राप्त होने की सूचना पंजीकृत मोबाईल नं./ई-मेल पर प्राप्त होगी।

5.8.1. शुल्क भुगतान उपरांत ऑनलाईन एडमिशन स्लिप के प्रिंट आउट लेने संबंधी:-

आवेदक द्वारा ऑनलाईन एडमिशन स्लिप का प्रिंट आउट ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से प्रवेश शुल्क का भुगतान करने के पश्चात प्राप्त किया जा सकेगा, यह प्रवेश प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे आवेदक यह सुनिश्चित कर सकेंगे कि उनके प्रवेश की प्रविष्टि पोर्टल पर हो चुकी है। एडमिशन स्लिप का बाद में पोर्टल से प्रिंट लिया जा सकता है। आवेदक को प्रवेश रसीद (एडमिशन स्लिप) का प्रिंट लेने के तत्काल बाद विश्वविद्यालय में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है।

5.8.2. प्रवेश शुल्क का ट्रांजेक्शन फेल होने की दशा में आवश्यक निर्देश:-

आवेदक द्वारा पोर्टल के माध्यम से किये गये पंजीयन/प्रवेश शुल्क का ट्रांजेक्शन यदि फेल होता है तो इस राशि की वापसी उसी बैंक खाते में जावेगी जिस बैंक खाते से आवेदक ने भुगतान किया है। प्रवेश शुल्क का ट्रांजेक्शन फेल होने की स्थिति में आवेदक का प्रवेश सुनिश्चित नहीं होगा। अतः ट्रांजेक्शन के फेल होने की स्थिति में आवेदक को पुनः पोर्टल के माध्यम से निर्धारित समय सीमा में प्रवेश शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। अन्यथा आवेदक का नाम प्रवेश सूची में दर्शित नहीं होगा।

5.9. उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रवेशित विद्यार्थियों द्वारा संबंधित विश्वविद्यालय में रिपोर्टिंग प्रक्रिया:-

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में अध्यापन कार्य आरंभ होने के पश्चात् उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार घोषित समय-सीमा में प्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपस्थित उपस्थित होकर मूल/डुप्लीकेट टी.सी. एवं माईग्रेशन जमा करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय-सीमा में जमा न करने की स्थिति में प्रवेश स्वतः निरस्त माना जाएगा।

5.10 विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित सर्टिफिकेट कोर्स चयन प्रक्रिया-

विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित 6 माह के सर्टिफिकेट कोर्स में संस्था में प्रवेशित नियमित विद्यार्थी ही प्रवेश प्राप्त कर सकेगे। ऐसे विद्यार्थियों की जानकारी विश्वविद्यालय स्तर से सर्टिफिकेट कोर्सवार ऑनलाईन पोर्टल पर प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने के 30 दिवस की समयावधि समयावधि में अद्यतन करना अनिवार्य होगा।

6. द्वितीय चरण में रिक्त स्थानों पर प्रवेश हेतु पुनः विकल्प चयन एवं आवंटन प्रक्रिया:-

प्रथम चरण पश्चात् द्वितीय चरण में प्रवेश हेतु पाठ्यक्रम/वर्गवार रिक्त स्थानों की जानकारी प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी।

6.1. पुनः विकल्प चयन प्रक्रिया:-

- 6.1.1. प्रथम चरण के पश्चात् द्वितीय चरण में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय में उपलब्ध रिक्त स्थानों हेतु पूर्व से पंजीकृत आवेदकों (जिन्होंने प्रवेश नहीं लिया है अथवा जिन्हें आवंटन प्राप्त नहीं हुआ है।) के लिए पुनः ऑनलाईन पाठ्यक्रम के चयन का विकल्प रहेगा।
- 6.1.2. आवेदक स्वेच्छानुसार अपनी पूर्व वरीयताएँ बदल सकेंगे, परन्तु प्रथम चरण में यदि किसी आवेदक को उसकी दर्शायी हुई प्रथम विषय च्वाइस में प्रवेश नहीं लेता है, ऐसी स्थिति में द्वितीय चरण में उसे तब तक स्वतः विषय च्वाइस आवंटित नहीं किया जाएगा जब तक कि वह अपनी च्वाइस/विकल्प पुनः न भर दे।
- 6.1.3. पुनः वरीयता हेतु कोई शुल्क देय नहीं होगा।
- 6.1.4. आवेदक जिन्होंने पूर्व में अपना पंजीयन नहीं कराया है। समय-सारणी अनुसार पंजीयन शुल्क का भुगतान कर पंजीयन/दस्तावेज अपलोड/पाठ्यक्रम चयन/ई-सत्यापन पश्चात् द्वितीय चरण में प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। इस हेतु आवेदक प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया के बिंदु क्रमांक 6 में उल्लेखित कण्डिका 6.1 से 6.10 तक का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें तदनुसार ऑनलाईन प्रक्रिया पूर्ण करें।

6.2. आवंटन प्रक्रिया:-

- 6.2.1. ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया में शामिल विश्वविद्यालय को द्वितीय चरण की आवंटन सूची पोर्टल पर उनकी लॉगिन आई.डी. पर उपलब्ध रहेगी।
- 6.2.2. समय सारणी अनुसार द्वितीय चरण में प्रवेश संबंधी समस्त प्रक्रिया प्रथम चरण अनुसार ही सम्पन्न की जायेगी।

7. ऑनलाईन यू.एल.सी. चरण में विश्वविद्यालय के रिक्त स्थानों पर प्रवेश हेतु पुनः विकल्प चयन एवं आवंटन प्रक्रिया:-

- 7.1. यू.एल.सी. चरण में प्रवेश हेतु पाठ्यक्रम/वर्गवार रिक्त स्थानों की जानकारी प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी।
- 7.2. पंजीकृत आवेदक को ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से यू.एल.सी. चरण में विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम की वरीयता दर्ज करनी होगी।
- 7.3. प्रथम एवं द्वितीय चरण का प्रवेश प्रक्रिया उपरांत ऑनलाईन यू.एल.सी. चरण में विश्वविद्यालय में मूल सीटों के विरुद्ध शेष रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रदान किया जाएगा।
- 7.4. यू.एल.सी. चरण में समय-सारणी अनुसार द्वितीय चरण के पश्चात् रिक्त आरक्षित सीटों पर प्रवेश नियम कंडिका 24.1 से 24.9 का पालन सुनिश्चित करते हुए संबंधित आरक्षित वर्ग के आवेदक उपलब्ध न होने पर उक्त सीटें कंडिका 24.11 के प्रावधानों के निहित समय-सारणी अनुसार सामान्य वर्ग के आवेदकों हेतु परिवर्तित की जायेगी।

- 7.5. ऑनलाईन यू.एल.सी. प्रक्रिया में समय सारणी अनुसार आवेदक द्वितीय चरण के पश्चात् रिक्त रह गये स्थानों पर पूर्व वरीयताओं में संशोधन/परिवर्तन कर सकेंगे।
- 7.6. प्रथम एवं द्वितीय चरण में प्रवेश लेकर प्रवेश निरस्त कराने वाले आवेदक का ऑनलाईन यू.एल.सी. प्रक्रिया में शामिल होने के लिए ऑनलाईन वरीयता/विकल्प पुनः देना अनिवार्य है।
- 7.7. पुनः वरीयता हेतु कोई शुल्क देय नहीं होगा।
- 7.8. आवेदक जिन्होंने पूर्व में अपना पंजीयन नहीं कराया है। समय-सारणी अनुसार पंजीयन शुल्क का भुगतान कर पंजीयन/दस्तावेज अपलोड/पाठ्यक्रम चयन/ई-सत्यापन पश्चात् यू.एल.सी. चरण की प्रथम प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। इस हेतु आवेदक प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया के बिंदु क्रं. 5 में उल्लेखित कण्डिका 5.1 से 5.9 तक का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें तदनुसार ऑनलाईन प्रक्रिया पूर्ण करें।
- 7.9. ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया में शामिल विश्वविद्यालय को यू.एल.सी. की आवंटन सूची पोर्टल पर उनकी लॉगिन आई.डी. पर उपलब्ध रहेगी।
- 7.10. यू.एल.सी. चरण में समय सारणी अनुसार प्रवेश प्रक्रिया विश्वविद्यालय स्तर पर प्रावीण्य सूची जारी कर नियमानुसार सम्पन्न की जाएगी।

8. प्रवेश निरस्तीकरण प्रक्रिया-

1. ऑनलाईन प्रवेश सत्र 2024-25 से प्रवेश निरस्तीकरण की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाईन होगी।
2. आवेदक को विश्वविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश निरस्त कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी।
3. आवेदक को प्रवेश निरस्तीकरण हेतु ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा।
4. आवेदक द्वारा निरस्तीकरण आवेदन सबमिट करने पर उनके द्वारा पूर्व में पंजीकृत नंबर पर प्राप्त ओ. टी. पी. दर्ज करने पर प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा। जिसकी पावती आवेदक को ऑनलाईन प्राप्त हो सकेगी।

8.1 निरस्तीकरण पश्चात् शुल्क वापसी प्रक्रिया :-

प्रवेश प्रक्रिया के दौरान निरस्तीकरण कराने पर आवेदक को अपना खाता क्रमांक एवं आईएफएससी कोड भी दर्ज करना होगा जिसमें की प्रवेश की राशि वापस की जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के 30 दिवस के अंदर प्रवेश निरस्त कराने पर सम्पूर्ण शुल्क वापस किया जाएगा। इस अवधि के पश्चात् प्रवेश निरस्त कराने पर कोई शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

9. रुक जाना नहीं अंतर्गत प्रवेश:-

ई-प्रवेश प्रक्रिया के दौरान परीक्षा परिणाम घोषित होने की स्थिति में रुक जाना नहीं योजना अंतर्गत उत्तीर्ण आवेदक, स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन एवं पंजीयन शुल्क का भुगतान/दस्तावेज अपलोड/पाठ्यक्रम चयन कर ई-प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।
सकेंगे। विश्वविद्यालय स्तर पर ई सत्यापन पश्चात् ऐसे आवेदक अर्हता पूर्ण होने पर गुणानुक्रम

अनुसार प्रवेश हेतु पात्र होंगे। परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में ऐसे आवेदक स्वाध्यायी (प्राइवेट) छात्र के रूप में शामिल होकर, अगले वर्ष पात्रता पूर्ण करने एवं स्थान रिक्त होने की दशा में नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

10. शासकीय सेवक के स्थानान्तरित होने पर पाल्यों के प्रवेश:-

कंडिका 21.1(अ) में उल्लेखित शासकीय सेवक के स्थानान्तरित होने पर प्रवेश की अंतिम तिथि के बाद प्रवेश चाहने वाले उनके पाल्य को विश्वविद्यालय में आवेदित कक्षा में स्थान रिक्त होने पर प्रचलित सत्र के दौरान प्रवेश दिया जा सकेगा। इस हेतु संबंधित शासकीय सेवक द्वारा कार्यभार ग्रहण करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। शासकीय सेवक के स्थानान्तरण के पश्चात् निर्धारित मुख्यालय के किसी भी महविद्यालय में स्थान रिक्त न होने पर कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा से अनुमति प्राप्त कर सम्बद्ध पाल्य को प्रवेश दिया जा सकेगा।

11. पूरक प्राप्त आवेदकों के प्रवेश:-

11.1. ऑनलाईन चरण में अर्हकारी परीक्षा में पूरक प्राप्त आवेदकों हेतु रिक्त सीटों पर पात्र आवेदक उपलब्ध न होने पर ही गुणानुक्रम के आधार पर प्रावधिक प्रवेश हेतु ऑनलाईन यू.एल.सी. चरण चरण में प्रवेश दिया जावेगा।

11.2. प्रावधिक प्रवेश के लिए अर्हताकारी परीक्षा में पूरक प्राप्त उन्हीं आवेदकों पर विचार किया जायेगा जिन्होंने अपना पंजीयन/दस्तावेज अपलोड/पाठ्यक्रम चयन/ई-सत्यापन निर्धारित तिथियों में ही करवा लिया है।

11.3. पूरक प्राप्त विद्यार्थियों का निर्धारित तिथि तक परीक्षा परिणाम घोषित न होने की दशा में गुणानुक्रम के आधार पर अवसर प्राप्त होने की स्थिति में प्रावधिक प्रवेश लेना होगा। स्थान रिक्त होने पर यू.एल.सी. चरण में प्रावधिक प्रवेश दिया जा सकेगा।

(नोट- इस हेतु पूरक परीक्षा परिणाम वाली अंक सूची ही ऑनलाईन पंजीयन के समय अपलोड करनी होगी।)

11.4. प्रावधिक प्रवेशित विद्यार्थियों को पूरक परीक्षा के परिणाम घोषित होने के उपरांत निर्धारित समय समय सारणी अनुसार उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण की जानकारी अद्यतन कराना होगा। जिससे आवेदक का प्रवेश निरंतर/निरस्त किया जा सके। प्रावधिक प्रवेशित विद्यार्थी के अनुत्तीर्ण घोषित होने पर आवेदक का प्रवेश निरस्त होने की स्थिति में विश्वविद्यालय द्वारा 160/- प्रक्रिया शुल्क काटकर शेष राशि वापस की जाएगी।

12. म.प्र. शासन द्वारा विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु हितग्राही योजनाएं:-

12.1. मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी (MMVY) योजना:-

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय के आदेश क्रमांक 866/342/सी.सी./2017 दिनांक 24 जून 2017 के तहत प्रदेश के प्रतिभाशाली आवेदकों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किए जाने के अनुक्रम में सत्र 2017-18 से मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना संचालित है।

इस योजना का क्रियान्वयन तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा जारी नियमों के तहत किया गया है।

12.1.1. पात्रता की शर्तें:-

- I. मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो।
- II. विद्यार्थी के पिता/पालक की वार्षिक आय छः लाख रुपये से कम हो।
- III. विद्यार्थी ने 12 वीं परीक्षा मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल से 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक तथा सी.बी.एस.ई./आई.सी.एस.ई. बोर्ड से 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की हो।

12.1.2. योजना का स्वरूप:-

यह योजना स्नातक स्तर में प्रवेशप्राप्त करने हेतु लागू की गई है। योजना के संबंध में अन्य आवश्यक दिशा निर्देश/पात्रता संबंधी समय-समय पर जारी शासन के निर्देशों का पालन किया जावेगा। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त होने पर छात्र को इस योजनान्तर्गत संस्थाओं को देय शुल्क के रूप में प्रवेश शुल्क एवं वह वास्तविक शुल्क (मैस शुल्क एवं कॉसन मनी को छोड़कर) जो शुल्क विनियामक समिति अथवा म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग अथवा भारत सरकार/ राज्य शासन द्वारा निर्धारित किया गया है, का ही भुगतान किया जावेगा। (म.प्र.शासन तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग का पत्र क्रं. एफ 5-6/2017 /42(1) भोपाल दिनांक 05.06.2018)

12.1.3. स्पष्टीकरण:-

प्रवेश प्राप्त पात्र विद्यार्थियों को केवल मैस शुल्क एवं कॉसन मनी का भुगतान करना होगा तथा अन्य शुल्क जैसे (नामांकन शुल्क अलग से)एवं परीक्षा शुल्क राज्य शासन द्वारा देय होगा। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा शुल्क की प्रविष्टि हेतु पिछली परीक्षा के शुल्क को आधार माना जा सकता है।

12.2. मुख्यमंत्री जन कल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना (MMJKY):-

मुख्यमंत्री जन कल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना के तहत म.प्र. शासन तकनीकी शिक्षा विभाग, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के आदेश क्रं. एफ-14-2/2008/42-2 दिनांक 21 अगस्त 2018 के तहत प्रवेश दिया जावेगा। इस हेतु समय समय पर जारी आदेशों का पालन भी सुनिश्चित किया जावेगा।

12.2.1. पात्रता की शर्तें:-

- i. यह योजना केवल स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर प्रदान की जावेगी।
- ii. विद्यार्थी के माता/पिता का म.प्र. शासन के श्रम विभाग में असंगठित कर्मकार के रूप में पंजीयन होना अनिवार्य है।

12.2.2. योजना का स्वरूप:-

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश के पत्र क्रमांक 525/484/आउशि/शा-5'अ'/2018 भोपाल दिनांक 30 जून 2018 के तहत राज्य शासन के समस्त शासकीय विश्वविद्यालय, शासकीय महाविद्यालयों एवं अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों में संचालित स्नातक (प्रथम/द्वितीय/ तृतीय वर्ष) एवं स्नातकोत्तर(प्रथम/द्वितीय वर्ष) के पारम्परिक एवं स्ववित्तीय पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रवेश (लेकिन मेस शुल्क एवं कॉशन मनी को छोड़कर) दिया जावेगा।

12.2.3. स्पष्टीकरण:-

स्नातक/स्नातकोत्तर के पात्र विद्यार्थियों को इस योजनान्तर्गत प्रवेश प्राप्त होने पर केवल मेस शुल्क एवं कॉशन मनी का भुगतान करना होगा तथा अन्य शुल्क जैसे प्रवेश शुल्क (नमांकन शुल्क सहित) एवं परीक्षा शुल्क राज्य शासन द्वारा देय होगा। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा शुल्क की प्रविष्टि हेतु पिछली परीक्षा के शुल्क को आधार माना जा सकता है।

12.2.4. विद्यार्थियों हेतु महत्वपूर्ण:-

उपरोक्त दोनों योजनाओं (मेधावी/जनकल्याण) के लाभ प्राप्त करने से पूर्व विद्यार्थी राज्य शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य हितग्राही योजनाओं का भली भांति अध्ययन करने के पश्चात् ही प्रवेश शुल्क भुगतान के समय इन योजनाओं का चयन करें।

12.3. मुख्यमंत्री कोविड-19 बालकल्याण योजना:-

मध्य प्रदेश शासन महिला एवं बाल विकास विभाग, वल्लभ भवन मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक 1373/2021/50-2, भोपाल दिनांक 21/05/2021 के अनुसार।

12.3.1. योजना का उद्देश्य (परिशिष्ट 1):-

इस योजना का उद्देश्य बच्चों को आर्थिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करना है, ताकि वे गरिमापूर्ण जीवन निर्वाह करते हुये अपनी शिक्षा निर्विघ्न रूप से पूरी कर सकें। यह योजना संपूर्ण मध्यप्रदेश में तत्काल प्रभाव से लागू की गयी है।

12.3.2. परिभाषा (परिशिष्ट 3):-

परिवार से अभिप्राय पति-पत्नि और उन पर अश्रित बच्चों से है, (परिशिष्ट 3.1)

बाल हितग्राही से अभिप्राय ऐसे बालक/बालिका जिनकी आयु 21 वर्ष या उससे कम है,

परन्तु स्नातक में अध्ययनरत रहने की स्थिति में 24 वर्ष या स्नातक पाठ्यक्रम की निर्धारित अवधि तक, इनमें से जो भी कम हो (परिशिष्ट 3.2) और जिनके माता-पिताकी कोविड-19 से मृत्यु हुई हो (परिशिष्ट 3.2.1.) या माता-पिता का निधन पूर्व में हो गया हो गया था तथा उनके वैध अभिभावक की कोविड-19 से मृत्यु हुई हो (परिशिष्ट 3.2.2.) या माता-पिता में से किसी एक का पूर्व में निधन हो चुका है तथा अब दूसरे की कोविड-19 से मृत्यु हुई है।

(परिशिष्ट 3.2.3.) “कोविड-19 से मृत्यु” का अभिप्राय ऐसी किसी भी मृत्यु से है जो 01 मार्च मार्च 2021 से 30 जून 2021 तक की अवधि में हुयी।

12.3.3. योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि (परिशिष्ट 4)

प्रभावित परिवार मध्यप्रदेश का स्थानीय निवासी हो, मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करने की पात्रता नहीं हो, बाल हितग्राही के मृतक माता/पिता ऐसे शासकीय सेवक या शासकीय उपक्रम के सेवक न हों जिन्हें पुरानी पेंशन स्कीम के अंतर्गत पेंशन पाने की पात्रता हो।

12.3.4. बाल हितग्राही के मृतक माता/पिता/अभिभावक की कोविड-19 से मृत्यु होने से, वे अनाथ हो गए हैं, को उच्च शिक्षा सहायता निम्नानुसार देय होगी (परिशिष्ट 5.3.2.):-

(अ) शासकीय अथवा केन्द्र/राज्य शासन से अनुदानित विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों में हितग्राहियों को प्रवेशशुल्क, परीक्षा शुल्क सहित अन्य समस्त वार्षिक वास्तविक शुल्क (मेस शुल्क सहित) का लाभ देय होगा साथ ही कौशन मनी जमा कराने से छूट रहेगी। बाल हितग्राहियों का प्रवेश निःशुल्क होगा। समस्त शुल्क की संबंधित संस्था को प्रतिपूर्ति की जाएगी।

(ब) ऐसे निजी विश्वविद्यालय/अशासकीय महाविद्यालयों में जहाँ शुल्क का निर्धारण मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा नियत किया जाता है। उनमें अध्ययनरत होने पर उक्त कंडिका 'अ' के अनुसार समस्त वार्षिक वास्तविक शुल्क या रुपये 15,000 जो भी कम हो, की प्रतिपूर्ति बाल हितग्राही के आधार लिंकड बैंक खाते में की जावेगी।

12.3.5. इस योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थी जो पूर्व से किसी पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं, उन्हें भी योजना लागू वर्ष से लाभ प्रदान किया जा सकेगा। (परिशिष्ट 5.3.4.)

12.3.6. यह स्पष्ट किया जाता है कि बाल हितग्राही को उच्च शिक्षा हेतु किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने पर उसे पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित वर्षों के लिए ही शिक्षा प्राप्ति संबंधी लाभ प्राप्त करने की पात्रता होगी। (परिशिष्ट 5.3.5.)

12.3.7. शासन की अन्य योजनाओं का लाभ-मुख्यमंत्री, कोविड-19, बाल कल्याण योजना का लाभ, बाल हितग्राहियों को शासन की अन्य योजनाओंके अंतर्गत देय लाभ के अतिरिक्तहोगा किंतु बाल हितग्राही को शिक्षा शुल्क आदि का दोहरा भुगतान किसी अन्य योजना से नहीं होगा। (परिशिष्ट 8)

12.4. **लाडली लक्ष्मी योजना 2.0:-**

इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत छात्राओं को स्नातक एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने पर 25000/- की प्रोत्साहन राशि 02 समान किश्तों में पाठ्यक्रम के प्रथम एवं तृतीय वर्ष में दी जायेगी। लाडली लक्ष्मी बालिकाओं की उच्च शिक्षा हेतु स्नातक स्तर तक का शिक्षण शुल्क शासन द्वारा वहन किया जायेगा।

12.4.1 **योजना का उद्देश्य-**

1. मध्य प्रदेश में लिंगानुपात सूचकांक में सुधार लाना।
2. आम जनता में बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करना।
3. समाज में बालिकाओं की शिक्षा एवं स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाना।

4. बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिये एक अच्छी नींव प्रदान करना।

12.4.2 पात्रता की शर्तें-

1. 01 जनवरी 2006 अथवा उसके पश्चात जन्मी बालिका।
2. माता-पिता मध्य प्रदेश के मूल निवासी हो।
3. माता-पिता आयकर दाता न हों।
4. माता-पिता जिनकी 02 या 02 से कम संतान हो, द्वितीय संतान के जन्म के पश्चात परिवार नियोजन अपनाया गया हों।

विशेष- उपरोक्त पात्रता शर्तों के अतिरिक्त पात्रता हेतु लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 में उल्लेखित विशेष प्रकरण संबंधी प्रावधान नियमानुसार लागू होंगे।

12.4.3 योजना का लाभ-

1. लाडली बालिकाओं को कक्षा 12वीं के पश्चात स्नातक अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में (पाठ्यक्रम अवधि न्यूनतम दो वर्ष) प्रवेश लेने पर रूपये 25000/- की प्रोत्साहन राशि दो समान किश्तों में पाठ्यक्रम के प्रथम एवं अंतिम वर्ष में दी जायेगी।
2. लाडली बालिकाओं को उच्च शिक्षा हेतु शिक्षण शुल्क शासन द्वारा वहन किया जायेगा।

13. वन- स्टेप- अप योजनांतर्गत प्रवेश (स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों हेतु)

- 13.1 स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों हेतु वन-स्टेप-अप योजनांतर्गत प्रयमरी/मिडिल स्कूल के लिए केवल शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु नियम व शर्तें म.प्र. शासन, स्कूल शिक्षा विभाग विभाग के आदेश क्रमांक दिनांक 18 जून 2015 के अनुसार रहेगी। इस हेतु स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर उल्लेखित पाठ्यक्रमों/विषयों में महाविद्यालय में सीटों के 02 प्रतिशत स्थान रहेंगे।
- 13.2 वन-स्टेप-अप योजना के अंतर्गत प्रवेश ऑनलाइन माध्यम से ही होंगे। आवेदकों को ऑनलाइन पोर्टल परपंजीयन/दस्तावेज अपलोड/महाविद्यालय/ पाठ्यक्रम चयन/ई-सत्यापन कराना अनिवार्य होगा, आवेदकों को प्रवेश समय सारणी अनुसार पंजीयन शुल्क का भुगतान करना होगा। स्कूल शिक्षा विभाग का अनापत्ति प्रमाण-पत्र आवेदक को उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार निर्देशानुसार घोषित समय सीमा में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा।

14. स्ववित्तीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी प्रावधान:-

सत्र 2024-25 से विश्वविद्यालय को स्ववित्तीय पाठ्यक्रम में यदि संसाधनों में कमी/कठिनाई है तो प्रवेश हेतु निम्नानुसार कार्यवाही की जायेगी-

- 14.1. सत्र 2023-24 के स्नातक प्रथम वर्ष में यदि किसी पाठ्यक्रम/विषय समूह में प्रवेश 25 या अधिक संख्या में है तभी उक्त पाठ्यक्रम में सत्र 2024-25 में प्रवेश दिया जायेगा।(अर्थात 24 या 24 से कम प्रवेशित संख्या वाले पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।)
- 14.2. सत्र 2023-24 के स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में यदि किसी विषय में प्रवेश 10 या अधिक संख्या में है तभी उक्त विषय में सत्र 2024-25 में प्रवेश दिया जायेगा। (अर्थात 09 या 09 से कम प्रवेशित संख्या वाले विषय में प्रवेश नहीं दिया जावेगा।)

- 14.3. सत्र 2024-25 के सभी नवीन पाठ्यक्रमों में प्रथम वर्ष में संख्या का बंधन नहीं होगा।
- 15. प्रावधिक प्रवेश हेतु पात्रता:-**
- 15.1. स्नातक प्रथम वर्ष और स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता रखने वाले आवेदकों को प्रवेश के लिए निर्धारित अंतिम तिथि तक प्रावधिक प्रवेश लेना अनिवार्य है।
- 15.2. स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु अर्हकारी स्नातक अंतिम वर्ष/छठवें सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में प्रावधिक प्रवेश हेतु प्रथम एवं द्वितीय वर्ष/प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर तक के प्राप्तांकों का प्रतिशत ऑनलाईन पंजीयन के समय दर्ज करना होगा। गुणानुक्रम का निर्धारण प्रावधिक प्रवेश हेतु दर्ज प्राप्तांकों के आधार पर ही होगा। स्नातक अंतिम वर्ष में पूरक प्राप्त विद्यार्थी स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में स्थान रिक्त होने पर प्रावधिक प्रवेश के लिये पात्र होंगे।
- 15.3. विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रावधिक प्रवेशित विद्यार्थियों के प्रथम सेमेस्टर में विश्वविद्यालय के परीक्षा फार्म भरने से पूर्व यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रावधिक प्रवेशित विद्यार्थी द्वारा नियमानुसार अर्हकारी परीक्षा पूर्ण रूप से उत्तीर्ण कर ली गई है। अर्हकारी की परीक्षा (स्नातक पाठ्यक्रम) में किसी भी स्तर पर पूरक/ए.टी.के.टी. प्राप्त छात्र स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरने हेतु पात्र नहीं होंगे।
- 15.4. प्रावधिक प्रवेश प्राप्त आवेदक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सीट आवंटित होने पर स्वयं के दायित्व/जिम्मेदारी पर प्रवेश लेंगे। स्नातक तृतीय वर्ष/षष्ठम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम से गुणानुक्रम में परिवर्तन होने की स्थिति में प्रवेशित विद्यार्थी को विषय बदलने का अधिकार नहीं होगा अथवा अनुत्तीर्ण होने की स्थिति में प्रावधिक रूप से प्रवेशित विद्यार्थी नियमित प्रवेश से वंचित हो जाएगा।
- 15.5. स्नातक प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में पूरक प्राप्त विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नियमों की पात्रता के अनुसार क्रमाशः स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता होगी।
- 16. प्रवेश नवीनीकरण प्रक्रिया:-**
- विश्वविद्यालय में स्नातक द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के प्रवेश नवीनीकरण का कार्य संबंधित पाठ्यक्रम के परीक्षा परिणाम घोषित होने के 15 दिवस की समय सीमा में ऑनलाईन यू.टी.डी. एडमिशन पोर्टल के माध्यम से सम्पादित किया जाएगा।
- पूर्व से संचालित पाठ्यक्रमों हेतु निम्न प्रावधान होंगे:-**
- 16.1. **स्नातक स्तर हेतु:-** पात्र विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष/प्रथम सेमेस्टर में ही ऑनलाईन प्रवेश दिया जायेगा। शेष वर्षों में (द्वितीय व तृतीय वर्ष)/शेष सेमेस्टर्स में (तृतीय व पंचम सेमेस्टर) प्रवेश नवीनीकरण प्रक्रिया होगी। यह प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाईन ही होगी।
- 16.1.1. वार्षिक प्रणाली में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में उत्तीर्ण/एक विषय में पूरक प्राप्त विद्यार्थी को आगामी वर्ष में प्रवेश की पात्रता होगी।

16.1.2. सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत तृतीय/पंचम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु पिछले सेमेस्टर में उत्तीर्ण/ किसी भी एक सेमेस्टर में दो तथा एक विषय में अधिकतम चार विषयों में ए.टी.के.टी. प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश की पात्रता होगी। लेकिन किसी भी एक सेमेस्टर में दो से अधिक प्रश्न पत्रों में ए.टी.के.टी. की पात्रता नहीं होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सेमेस्टर पद्धति से संचालित विवि/स्वशासी/महाविद्यालयों हेतु प्रावधान:-

16.1.3. आर्डिनेन्स (14 ब) के अनुसार

- (अ) यदि कोई विद्यार्थी किसी भी पाठ्यक्रम में एफ/F(Fail) या एबी/AB(Absent) ग्रेड प्राप्त करता तो उसे प्रश्न पत्र में पूरक/अनुत्तीर्ण माना जाएगा। ऐसे विद्यार्थियों को विवि/स्वशासी महाविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा में पुनः शामिल होना होगा। सी.सी.ई. के अंक कैरी किए जा सकेंगे एवं ग्रेड निर्धारण हेतु पुनर्परीक्षा के प्राप्तांक में जोड़े जायेंगे।
- (ब) विद्यार्थी को अगले वर्ष में तभी पदोन्नत किया जाएगा जब वह एक वर्ष में कुल क्रेडिट के आधे क्रेडिट प्राप्त करता है, (उदाहरणार्थ वार्षिक परीक्षा पद्धति के कुल 40 क्रेडिट में से 20) यदि विद्यार्थी कुल क्रेडिट के आधे से कम क्रेडिट प्राप्त करता है, ऐसी स्थिति में विद्यार्थी को उस वर्ष में अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा, ऐसे अनुत्तीर्ण विद्यार्थी को अगले सत्र के लिए पदोन्नत नहीं किया जाएगा।
- (स) यदि कोई विद्यार्थी किसी वर्ष में सभी प्रश्न पत्रों में उत्तीर्ण होता है, तो विद्यार्थी को उस वर्ष में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। यदि विद्यार्थी वर्ष के कुल क्रेडिट के कम से कम आधे क्रेडिट प्राप्त प्राप्त करता है और कुछ प्रश्न पत्रों में अनुत्तीर्ण रहता है तो उसे अनुत्तीर्ण प्रश्न पत्रों में पूरक सहित अस्थायी रूप से अगले वर्ष में पदोन्नत किया जा सकेगा।
- (द) यदि विद्यार्थी अगली पूरक परीक्षा में सभी प्रश्न पत्रों को पास करने में असफल रहता है, तो अस्थायी पदोन्नति समाप्त कर दी जाएगी, लेकिन उसे असफल प्रश्न पत्रों को पास करने का दूसरा मौका दिया जाएगा। मान लीजिए कि उपरोक्त दूसरे अवसर के बाद भी विद्यार्थी संबंधित पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा नहीं करता है, ऐसे प्रकरण में विद्यार्थी को अनुत्तीर्ण माना जाएगा और वह वर्ष शून्य वर्ष के रूप में माना जाएगा, एवं विद्यार्थी को पूरे वर्ष को दोहराने के लिए कहा जाएगा।
- (य) यदि वर्तमान महाविद्यालय में स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष का अवसर विद्यार्थियों को नहीं दिया जा रहा हो तो उसी विश्वविद्यालय के अन्य महाविद्यालय/यू.टी.डी. में स्नातक चतुर्थ वर्ष/सप्तम सेमेस्टर में अस्थायी प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

16.2. **स्नातकोत्तर स्तर हेतु:-** पात्र विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर स्तर पर प्रथम सेमेस्टर में ही ऑनलाइन प्रवेश दिया जायेगा। तृतीय सेमेस्टर में ऑनलाइन प्रवेश नवीनीकरण की प्रक्रिया होगी। तृतीय सेमेस्टर में पिछले सेमेस्टर (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) में उत्तीर्ण/किसी एक सेमेस्टर में दो

तथा एक-समय में कुल 4 प्रश्नपत्रों में ए.टी.के.टी. प्राप्त विद्यार्थियों को पात्रता होगी। लेकिन किसी भी एक सेमेस्टर में दो से अधिक प्रश्नपत्रों में ए.टी.के.टी. की पात्रता नहीं होगी।

16.3. नवीनीकरण शुल्क संबंधी निर्देश :-

नियमानुसार संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश नवीनीकरण हेतु पात्र विद्यार्थियों को ऑन लाईन प्रमोट किया जाएगा। स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थी पात्रतानुसार सम्पूर्ण प्रवेश शुल्क /10 रुपये का ऑनलाईन शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त करेंगे। स्ववित्तीय पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थी का प्रवेश शुल्क निर्धारित शुल्क की आधी राशि ऑनलाइन जमा करनी होगी तथा शेष राशि विश्वविद्यालय स्तर से परीक्षा शुल्क जमा करने के पूर्व ऑनलाइन जमा करना होगा। उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 68/17/आउशि/आई.टी./19 भोपाल, दिनांक 05.03.2020 के तहत निर्धारित समस्त विद्यार्थियों को प्रवेश नवीनीकरण हेतु पोर्टल शुल्क रूपये 30/- देय होगा। प्रवेश शुल्क की शेष राशि संबंधित विश्वविद्यालय आरंभ होने पर ऑनलाईन जमा की जावेगी।

16.4. सत्र 2021-22 से मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना (कण्डिका 12.3) के अन्तर्गत नियमानुसार पात्र विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रवेश दिया जाना है।

16.5. शासकीय सेवक के स्नानान्तरित होने पर उनके पाल्यों के प्रवेश संबंधी निर्देश:-

कंडिका 21.1(अ) में उल्लेखित शासकीय सेवक के स्थानान्तरित होने पर प्रदेश में वार्षिक/सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत अध्ययनरत उनके पाल्यों को पाठ्यक्रम के बीच में स्नातक-स्तर प्रवेश दिया जा सकेगा। इस हेतु शासकीय सेवक द्वारा कार्यभार ग्रहण करने का प्रमाण पत्र तथा आव्रजन प्रमाण पत्र (Migration Certificate) प्रस्तुत करना होगा। स्नातकोत्तर-स्तर पर प्रवेश के लिए आवेदक को संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र अनिवार्य होगा।

16.6. स्वाध्यायी (प्राइवेट) से नियमित प्रवेश संबंधी प्रावधान:-

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय का पत्र क्रमांक 97/380/सी.सी./14/38, दिनांक दिनांक 16 फरवरी 2015 अनुसार ऐसे विद्यार्थी जो किसी भी सत्र में नियमित प्रवेश से वंचित हो जाते हैं, वह विश्वविद्यालय के स्नातक प्रथम वर्ष/स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में स्वाध्यायी छात्र के रूप में सम्मिलित हो सकते हैं तथा परीक्षा उपरांत विश्वविद्यालय में संबंधित कोर्स/विषय में स्थान रिक्त होने पर पात्रतानुसार स्नातक स्तर पर द्वितीय/तृतीय वर्ष में तथा तृतीय/पंचम सेमेस्टर में एवं स्नातकोत्तर स्तर पर (विज्ञान व प्रायोगिक विषयों को छोड़कर) तृतीय सेमेस्टर में नियमित प्रवेश ले सकेंगे।

16.6.1. राज्य शासन के आदेश क्रं. 1615/1929/2018/38-2, दिनांक 19.12.2018 के तहत ऐसे सभी नियमित/असंस्थागत विद्यार्थी जिन्होंने प्रथम/द्वितीय/तृतीय/चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह सत्र 2023-24 में वार्षिक पद्धति के अंतर्गत स्नातक द्वितीय/तृतीय वर्ष में नियमित प्रवेश ले सकेंगे तथा ऐसे सभी असंस्थागत विद्यार्थी जो सत्र 2022-2023 की

स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे वे विद्यार्थी सत्र 2023-24 में स्नातक स्तर के द्वितीय/तृतीय वर्ष में स्थान रिक्त होने पर नियमित प्रवेश ले सकेंगे।

16.7. पूर्व विद्यार्थी (Ex-Student) के नियमित प्रवेश संबंधी निर्देश:-

जिन विद्यार्थियों को पूर्व छात्र की श्रेणी में रखा था वे आगामी सेमेस्टर/वर्ष की मुख्य परीक्षाओं में सम्मिलित होंगे। उत्तीर्ण होने की दशा में जुलाई माह में प्रारंभ होने वाले सत्र में स्थान रिक्त होने पर नियमानुसार शुल्क जमा करने पर नियमित प्रवेश दिया जाएगा।

16.8. पूर्व विद्यार्थी (Ex-Student) के प्रवेश की स्थिति निर्मित होने पर विश्वविद्यालय में स्थान रिक्त न होने की दशा में विश्वविद्यालय से स्थान (सीट) वृद्धि की अनुमति प्राप्त कर नियमानुसार प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

16.9. विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित सर्टिफिकेट कोर्स चयन प्रक्रिया:-

विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स में संस्था में प्रवेशित नियमित विद्यार्थी ही प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। ऐसे विद्यार्थियों की जानकारी महाविद्यालय स्तर से सर्टिफिकेट कोर्सवार ऑनलाईन पोर्टल पर प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने के 30 दिवस की समयावधि समयावधि में अद्यतन करना अनिवार्य होगा।

17. स्नातक कक्षाओं में ए.टी.के.टी./पूरक से संबंधित प्रवेश नियम:-

17.1. सेमेस्टर के अंत में संबंधित सेमेस्टर की सभी सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक(जहाँ लागू हो) विषयों में ए.टी.के.टी. प्राप्त आवेदकों की परीक्षा होगी। वार्षिक पद्धति में परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात सत्र के दौरान एक विषय सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (जहाँ लागू हो) में पूरक प्राप्त आवेदकों की परीक्षा होगी।

17.2. वार्षिक पद्धति में एक विषय में अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित होने पर विद्यार्थी को पूरक की पात्रता होगी तथा पूरक प्राप्त आवेदकों को विश्वविद्यालय के नियमानुसार अगले वर्ष में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता होगी। पूरक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर प्रावधिक प्रवेश निरस्त माना जावेगा।

17.3. सेमेस्टर पद्धति में विद्यार्थी एक समय में चार ए.टी.के.टी. के साथ अगले सेमेस्टर में प्रवेश सकेगा, लेकिन किसी भी एक सेमेस्टर में दो से अधिक विषयों में ए.टी.के.टी. की पात्रता नहीं होगी।

17.4. स्नातक पाठ्यक्रम की अधिकतम अवधि के संबंध में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय के पत्र क्रं. 1868/198/सीसी/17/38, दिनांक 09.10.2017 के प्रावधान लागू होंगे।

17.5. विशेष परीक्षार्थी:- कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा का पत्र क्रमांक 1204/387/आउशि/शा-5'अ'/2012 भोपाल, दिनांक 22 दिसम्बर 2012 के अनुसार जिला/संभाग/राज्य/राष्ट्रीय स्तर के खेलकूद/ कला- संस्कृति (युवा उत्सव)/ एन.सी.सी./ एन.एस.एस./स्काउट एवं रेडक्रॉस सोसायटी के क्षेत्र में यदि कोई विद्यार्थी परीक्षा के दौरान किसी प्रतियोगिता आदि में शामिल होते हैं। तो येसी स्थिति में उन विद्यार्थियों की परीक्षाये उसी सत्र में परीक्षा समाप्ति के 10 दिवस में

परिणाम अन्य परीक्षाओं के साथ जारी किए जायेंगे।

18. स्नातकोत्तर कक्षाओं में ए.टी.के.टी. से संबंधित प्रवेश नियम:-

- 18.1. सेमेस्टर के अंत में निर्धारित सभी सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (जहाँ लागू हो) प्रश्न पत्रों की परीक्षा होगी।
- 18.2. दो प्रश्न पत्रों में (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जहाँ लागू है) अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित होने पर को ए.टी.के.टी. की पात्रता होगी, अर्थात् विद्यार्थी को अगले सेमेस्टर में स्वतः प्रवेश मिल सकेगा।
- 18.3. विद्यार्थी एक समय में चार ए.टी.के.टी. के साथ अगले सेमेस्टर में प्रवेश पा सकेगा, लेकिन किसी भी एक सेमेस्टर में दो से अधिक प्रश्न पत्रों में ए.टी.के.टी की पात्रता नहीं होगी।
- 18.4. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमकी अधिकतम अवधि के संबंध में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय के पत्र क्रमांक 1868/198/सीसी/17/38 दिनांक 9.10.2017 के प्रावधान लागू होंगे।

19. प्रवेश सीट संख्या का निर्धारण:-

- 19.1. विश्वविद्यालय में कक्षा/विषयवार सीट संख्या का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।
- 19.2. इस संबंध में समय-समय पर जारी आदेशों का पालन सुनिश्चित किया जावे।
- 19.3. महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में निर्धारित तिथियों में संस्था में संचालित स्नातक/स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम, विषय समूह निर्धारित सीट संख्या एवं पाठ्यक्रमवार/वर्गवार प्रवेश शुल्क (संबंधित विश्वविद्यालयके नामांकन शुल्क सहित) एवं नवीनीकरण की पृथक-पृथक विस्तृत जानकारी के साथ विश्वविद्यालय का बैंक खाता क्रमांक, क्रमांक, आई.एफ.एस.सी. कोड आदि की जानकारी अनिवार्य रूप से ऑनलाईन विभागीय (<https://utd admission.mponline.gov.in>) पोर्टल पर दर्ज/अद्यतन कर लॉक करेंगे।

20. समकक्ष बोर्ड संबंधी प्रवेश नियम:-

- 20.1. सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्ड्री एज्युकेशन (सी.बी.एस.ई.)/इण्डियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेण्ड्री एज्युकेशन (आई.सी.एस.ई.) तथ अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त बोर्डकी 10+2 की परीक्षाएं, मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10+2 परीक्षा के समकक्ष मान्य है।
- 20.2. महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय की ई-प्रवेश प्रक्रिया के पोर्टल से सम्बद्ध होने के लिए देश के किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड को मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल से समकक्षता प्रमाण पत्र प्राप्त कर, विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, तत्पश्चात् ही ऐसे बोर्ड ऑनलाईन ई-प्रवेश पोर्टल पर मान्य सूची में प्रदर्शित होंगे, ऑनलाईन प्रवेश पोर्टल पर प्रदर्शित बोर्ड से उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रवेश हेतु पंजीयन कर ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।
- 20.3. विदेशी बोर्ड से अर्हकारी(10+2) परीक्षा उत्तीर्ण आवेदक ने यदि मध्यप्रदेश के शासकीय/अशासकीय/अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों में स्नातक प्रथम वर्षमें पंजीयन करवाया

है ऐसी स्थिति में आवेदक को केन्द्र सरकार नई दिल्ली द्वारा जारी समकक्षता प्रमाण पत्र अपलोड करने पर पात्रता अनुसार ई-प्रवेश प्रक्रिया में शामिल किया जा सकेगा।

- 20.4. सामान्यतः भारत में स्थित विश्वविद्यालय जो भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज) के सदस्य हैं, कि समस्त परीक्षाएं राज्य के विश्वविद्यालयों की परीक्षा के समकक्ष मान्य होगी।
- 20.5. संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता विहीन महाविद्यालय या शिक्षण संस्थाओं की सूची एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर जारी फर्जी अथवा मान्यता-विहीन विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थाओं की परीक्षा/उपाधि मान्य नहीं होगी।
- 20.6. माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में विज्ञान से मिलते जुलते विषय विषय, जैसे लेबोरेट्री मेडिसिन मैनेजमेंट एवं सिस्टम एनालिसिस, क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी माइक्रोबायोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट सिस्टम तथा कम्प्यूटर से संबंधित विषय और प्रिंटिंग ऑफ डाटा-डाटा-प्रोसेसिंग, मैनेजमेंट एण्ड सिस्टम एनालिसिस, डी.टी.पी. पैकेज प्रोग्रामिंग, वर्कशाप प्रैक्टिस आदि सम्मिलित है। उपरोक्त विषयों के साथ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल द्वारा संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रम 10+2 के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद ही संबंधित संकाय में प्रवेश दिया जा सकेगा। ऑनलाईन आवेदन की पावती पावती अपलोड करना आवश्यक होगा। किसी भी कक्षा में प्रवेश हेतु पात्रता संबंधी निर्धारण में संदेह होने की संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा जारी पात्रता पत्र को अंतिम माना जायेगा। विश्वविद्यालयों द्वारा निर्धारित पात्रतानुसार प्रवेश के समय आवेदक की पात्रता के परीक्षण का संपूर्ण दायित्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव का होगा। आवंटन का तात्पर्य यह कदापि नहीं होगा कि आवेदक प्रवेश की पात्रता पूर्ण करता है।
- 20.7. मध्य प्रदेश संस्कृत बोर्ड की 'उत्तर माध्यमा परीक्षा' को हायर सेकेण्डरी परीक्षा के समकक्ष माना जाये।

21. प्रवेश की पात्रता:-

21.1. निवासी एवं अर्हकारी परीक्षा

- (अ) मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी, मध्यप्रदेश में स्थायी सम्पत्तिधारी निवासी, राज्य या केन्द्र सरकार के शासकीय सेवक, राष्ट्रीकृत बैंकों तथा भारत सरकार द्वारा संचालित व्यावसायिक संगठनों के कर्मचारी जिनका पदांकन मध्यप्रदेश में हो, उनके पाल्यों एवं जम्मू कश्मीर के विस्थापितों तथा उनके आश्रितों/भूटान के विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ब) उपरोक्तानुसार प्रवेश के पश्चात स्थान रिक्त होने की दशा में अन्य स्थानों के बोर्ड एवं अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को नियमानुसार गुणानुक्रम के आधार पर विश्वविद्यालय की पात्रता अनुसार प्रवेश दिया जा सकेगा।

(स) संबंधित विश्वविद्यालय या उस विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों/महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को ही विश्वविद्यालय में प्रवेश की पात्रता होगी।

(द) जम्मू कश्मीर के विस्थापितों एवं उनके पाल्य/पाल्या के लिये निम्न प्रावधान लागू होंगे।

1. प्रवेश की अंतिम तिथि में अधिकतम 30 दिन की छूट।
2. न्यूनतम प्रवेश प्राप्तांकों में अधिकतम 10 प्रतिशत की छूट, अगर आवेदक पात्रता की अन्य शर्तें पूरी करता हो। (विधि पाठ्यक्रमों को छोड़कर)
3. उपलब्ध स्थानों में पाठ्यक्रमवार 5 प्रतिशत की वृद्धि।
4. स्थानीय निवासी होने की अनिवार्यता से पूर्ण छूट।
5. द्वितीय और आने वाले वर्षों में आवजन की सुविधा।
6. व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर एक प्रतिशत का आरक्षण।

(य) **प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना** के अंतर्गत जम्मू कश्मीर के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए All India Council for Technical Education (AICTE), New Delhi द्वारा प्रदेश में (12 B of UGC Act, के तहत मान्य) विश्वविद्यालय में दो अधिसंख्या सीटों का सृजन कर प्रवेश दिये जाने का प्रावधान है। उक्त विद्यार्थियों को सीट आरक्षण के बाद प्रवेश देने के पूर्व सम्बद्ध विश्वविद्यालय अनुसार पात्रता सुनिश्चित करने का संपूर्ण दायित्व विश्वविद्यालय का होगा।

22. **विशेष प्रकरण संबंधी प्रवेश हेतु पात्रता/अपात्रता:-**

22.1. किसी भी संकाय में स्नातक उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को (विधि संकाय को छोड़कर) अन्य संकायों के स्नातक पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं है।

22.2. विश्वविद्यालय में तोड़-फोड़ करने या विश्वविद्यालय की सम्पत्ति को नष्ट करने के प्रमाणित दोषी और रैगिंग के प्रमाणित आरोपी विद्यार्थियों को भी प्रवेश नहीं मिलेगा। रैगिंग के संदर्भ में यू.जी.सी. के ज्ञापन क्रं. एफ-1-16/2007 (सी.पी.पी.11) अप्रैल 2009 के मार्गदर्शी निर्देशों का पालन अनिवार्य है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र क्रं. 829/469/आउशि/शा-829/469/आउशि/शा-1/08 दिनांक 18 जून 2008 के अनुसार जीरो टालरेंस पॉलिसी (Zero Tolerance Policy) लागू रहेगी।

22.3. ट्रान्सजेडर को केवल सह-शिक्षा (Co-Education) में ही प्रवेश दिया जावेगा।

22.4. पूणकालिक शासकीय/अशासकीय सेवारत कर्मचारी को उसकी दैनिक कार्य की अवधिमें लगने वाले पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं है। लेकिन दैनिक अवधि के उपरांत लगने वाले पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन करने पर आवेदक द्वारा नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) प्रस्तुत करने के बाद ही प्रवेश दिया जा सकेगा।

23. **बाह्य राज्य के आवेदकों हेतु प्रवेश नियम:-**

23.1. स्नातक स्तर तक बी.ए./बी.कॉम./बी.एस.सी./बी.एस.सी. (गृहविज्ञान) में एकीकृत पाठ्यक्रम लागू होने से राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय में अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को अगले वर्ष/सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता है, किंतु संबंधित विश्वविद्यालय/स्वशासी

महाविद्यालय में पढ़ाये जा रहे विषयों/विषय-समूहों में आवेदकों ने पिछली परीक्षा दी हो तो संबंधित परीक्षण के पश्चात ही नियमित प्रवेश दिया जा सकेगा।

- 23.2. मध्यप्रदेश राज्य के बाहर स्थित यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातक स्तर पर प्रथम/द्वितीय वर्ष अथवा द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा, राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर की प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा एवं तिथि स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीयवर्ष परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उनके द्वारा संबंधित विश्वविद्यालयों से पात्रता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के बाद उन्हीं विषय/विषयों/विषय-समूह की अगली कक्षा में स्थान रिक्त होने की स्थिति में नियमित प्रवेश दिया जा सकेगा।
- 23.3. राज्य के बाहर के विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप में एक शपथ-पत्र देना होगा। शपथ-पत्र में फर्जी, किसी भी तरह की झूठी/गलत जानकारी पाये जाने की दशा में संबंधित विद्यार्थी का प्रवेश प्रवेश निरस्त करते हुए उसे प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में आगामी तीन वर्ष तक प्रवेश से वंचित कर दिया जावेगा।
- 23.4. राज्य के बाहर के विद्यार्थियों को प्रवेश के पूर्व कुलसचिव द्वारा संबंधित राज्यों एवं स्थानीय आरक्षी केन्द्रों के माध्यम से पुलिस सत्यापन कराना अनिवार्य है।
- 23.5. विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा पूर्व में अध्ययनरत संस्था के प्राचार्य द्वारा जारी चरित्र प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।
- 23.6. जिन विषयों में प्रवेश के लिए प्रदेश के विद्यार्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं, उन विषयों में अन्य राज्य के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा सकेगा।
- 23.7. प्रवेश उपरांत महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार घोषित समय सीमा में प्रवेशित विद्यार्थियों को रिपोर्टिंग के समय संबंधित अध्ययनशाला में स्थानांतरण प्रमाण पत्र/आब्रजन प्रमाण पत्र/शपथ-पत्र/पुलिस सत्यापन/चरित्र प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य होगा।

24. आरक्षण:-

मध्यप्रदेश शासन की आरक्षण नीति के अनुरूप आरक्षण निम्नानुसार होगा:-

- 24.1. आरक्षित श्रेणी का कोई उम्मीदवार यदि अधिक अंक पाने के कारण सामान्य श्रेणी/ओपन प्रतिस्पर्धा में नियमानुसार मेरिट सूची में आता है तो आरक्षित श्रेणी की सीटें अप्रभावित रहेगी। परन्तु यदि ऐसा विद्यार्थी किसी अन्य संवर्ग जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आदि का है तो संबंधित संवर्ग की सीट उसे विशिष्ट आरक्षित श्रेणी में भरी मानी जावेगी। संबंधित विशिष्ट संवर्ग संवर्ग की शेष सीटें पात्रतानुसार भरी जायेंगी।
- 24.2. अनुसूचित जाति (अ.जा.) एवं अनुसूचित जनजाति (अ.ज.जा.) के आवेदकों के लिए क्रमशः 16 प्रतिशत तथा 20 प्रतिशत स्थान आरक्षित होंगे। इन दोनों वर्गों के स्थान आपस में परिवर्तनीय होंगे।

- 24.3. पिछड़ वर्ग (क्रीमी-लेयर छोड़कर) के आवेदकों के लिए 14 प्रतिशत स्थान आरक्षित होंगे। (मध्य प्रदेश राजपत्र क्रमांक 349 भोपाल दिनांक 14.08.2019) में प्रकाशित संशोधन क्रमांक 13681-227-इक्कीस-अ(प्रा.) अधि.दिनांक 13.08.2019 द्वारा संशोधित आदेश पर याचिका क्रमांक डब्लू.पी. 5901/2019 के अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के अधीन किया जायेगा।)
- 24.4. स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के पुत्र/पुत्रियों एवं पौत्र/पौत्रियों/नातियों/नातिनों, भारतीय सेना में कर्तव्य के दौरान वीरगति को प्राप्त अथवा स्थाई रूप से निःशक्त हुए सैनिकों के पुत्र/पुत्रियों एवं भूतपूर्व तथा कार्यरत सेना के कर्मियों (Defense Personnel) के अश्रितों/सेन्ट्रल आर्म पुलिस पुलिस फोर्स के बच्चों के लिए तथा इन वर्गों के दिव्यांग श्रेणी के आवेदकों के लिए संयुक्त रूप से 05 प्रतिशत स्थान आरक्षित रखे जायेंगे। इससे सम्बद्ध दिव्यांग श्रेणी के आवेदकों को प्राप्तानों के 10 प्रतिशत अंकों का अधिभार देकर, तीन वर्गों का सम्मिलित गुणानुक्रम निर्धारित किया जाए, परंतु यह आरक्षण संबंधित संवर्ग के लिए आरक्षित स्थानों से ही उपलब्ध कराया जाएगा। भारतीय सशस्त्र सेना के कर्मियों/अधिकारियों का प्राथमिकता क्रम निम्नानुसार रहेगा-
1. युद्ध के दौरान शहीद की विधवा एवं उनके अश्रित।
 2. युद्ध के दौरान स्थायी रूपसे अपंग, कार्यरत सैनिकों एवं उनके अश्रित
 3. शांति के दौरान सेवाकाल में शहीद के अश्रित।
 4. शांति के दौरान सेवाकाल में स्थायी रूप से निःशक्तजन तथा उनके अश्रित।
 5. निम्न शौर्य पदकों से सम्मानित सेवारत अथवा पूर्व सैनिकों के अश्रित-परमवीर चक्र, अशोक चक्र, सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र, उत्तम सेवा मेडल, वीर चक्र, शौर्यचक्र, युद्ध सेवा मेडल, सेना, नौसेना/वायु सेना मैडल पत्रों में उल्लेख।
 6. राष्ट्रपति का वीरता हेतु पुलिस मैडल।
 7. भूतपूर्व सैनिकों के अश्रित।
 8. कार्यरत सैनिकों के अश्रित।
- 24.5. दिव्यांग श्रेणी के आवेदकों के लिये 5 प्रतिशत स्थान आरक्षित रखे जायेंगे परंतु यह आरक्षण संबंधित संवर्ग के लिये आरक्षित स्थान से ही उपलब्ध कराया जायेगा। दिव्यांगों को प्रवेश के समय अहंतादायी अंको में 5 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। दिव्यांग आवेदकों को जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त निर्धारित प्रारूप में जारी प्रमाण पत्र (जिसमें 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांग का उल्लेख हो) पंजीयन के समय अपलोड करने पर इस श्रेणी का लाभ लिया जा सकेगा।
- 24.6. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS-Economically Weaker Section):- आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश हेतु 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक एफ 07-11/2019/आ.प्र./एक, भोपाल

दिनांक 02 जुलाई 2019 एवं आयुक्त उच्च शिक्षा के पत्र क्रमांक 444/243/आउशि/शा-5'अ'/2019 भोपाल दिनांक 15 जुलाई 2019 के अनुक्रम में दिया जायेगा।

- 24.7. एन.सी.सी. 'सी' प्रमाण पत्र उत्तीर्ण आवेदकों के लिए स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय में स्वीकृत स्थान का 01 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेगा।
- 24.8. सभी वर्गों में उपलब्ध स्थानों में 30 प्रतिशत स्थान छात्राओं के लिये आरक्षित होंगे।
- 24.9. मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग तथा उसके अधीनस्थ शासकीय कार्यालय/विश्वविद्यालय, आयुक्त कार्यालय, उच्च शिक्षा में नियमित कार्यरत/सेवानिवृत्त/दिवंगत अधिकारियों एवं कर्मचारियों, प्राचार्यों, प्राध्यापकों, ग्रंथपालों, क्रीड़ा अधिकारियों, रजिस्ट्रारों एवं शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के पाल्यों के लिए सभी संबंधित संवर्गों में उपलब्ध स्थानों में से 5 प्रतिशत स्थान आरक्षित रखे जायेंगे।
- 24.10. आरक्षित स्थान का प्रतिशत यदि आधे से कम आता है तो उसी श्रेणी में आरक्षित स्थान उपलब्ध नहीं होगा। आधे से एक प्रतिशत के बीच आने पर ही आरक्षित स्थान की संख्या एक मानी जायेगी।
- 24.11. कंडिका 7.4 अनुसार यू.एल.सी. चरण में समय सारणी अनुसार पूर्व में वर्णित आरक्षित श्रेणी के रिक्त स्थान अनारक्षित (सामान्य) श्रेणी के आवेदकों हेतु परिवर्तित किये जावेंगे।
- 24.12. समय-समय पर शासन द्वारा जारी आरक्षण नियमों का पालन किया जाएगा।
- 24.13. ऐसे पाठ्यक्रम जिनके अध्यादेश में प्रवेश लिखित परीक्षा के माध्यम से दिया जाना उल्लेखित हो, पात्र आवेदकों को पोर्टल पर पंजीयन कराते हुए संबंधित संख्या एवं पाठ्यक्रम वरीयता दर्ज करना होगा। संबंधित संस्था पंजीकृत आवेदकों को प्रवेश परीक्षा आयोजित कर नियमानुसार प्रवेश देगी तथा प्रदेशित विद्यार्थियों की जानकारी पोर्टल पर अनिवार्यतः दर्ज करेंगी।

25. अधिभार:-

अधिभार हेतु प्रमाण पत्र:-

- (अ) स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिये अधिभार हेतु आवेदक स्कूल स्तर के विगत चार कर्मिक सत्र (अर्थात् सत्र 2020-21 के पूर्व के मान्य नहीं होंगे) तक के प्रमाण पत्र ही पंजीयन के समय अपलोड कर सकेंगे।
- (ब) स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर अधिभार हेतु स्नातक स्तर के विगत तीन कर्मिक सत्र (अर्थात् सत्र 2021-22 के पूर्व के मान्य नहीं होंगे) तक के प्रमाण पत्र ही पंजीयन के समय अपलोड कर सकेंगे।
- (स) अधिभार गुणानुक्रम निर्धारण के लिए प्रदान किया जायेगा। पात्रता हेतु इसका उपयोग नहीं किया जाएगा। अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांकों के प्रतिशत पर ही अधिभार देय होगा। अधिभार के लिये सभी आवश्यक प्रमाण-पत्रों की जानकारी प्रवेश हेतु पंजीयन के लिए आवेदन-पत्र में उल्लेख करना अनिवार्य है। सत्यापन के लिये पंजीयन आवेदन पत्र में उल्लेखित,

उल्लेखित, संबंधित प्रमाण पत्र अनिवार्यतः अपलोड करने होंगे। एक से अधिक अधिभार प्राप्त होने पर केवल सर्वाधिक अधिकार का लाभ एक ही वर्ग में देय होगा।

- * खेलकूद विधा में वि.वि.में कुल सीट संख्या के अतिरिक्त 5 सीट खेलकूद में ए श्रेणी प्राप्त विद्यर्थियों के लिए आउटराइट के आधार पर सुरक्षित होगी (24 मई 2022 के आदेशानुसार) आदेशानुसार)
- * कला-संस्कृति (युवा उत्सव)/ एन.एन.सी.-एन.एन.एस.– स्काउट एवं रेडकॉस सोसायटी में शामिल ए श्रेणी प्राप्त आवेदकों के लिए प्रत्येक वि.वि. में कुल सीट के अतिरिक्त 5-5 सीट आउटराइट के आधार पर आवंटित करने के लिए सुरक्षित होंगी।
- * राज्य/संभाग/जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के आवेदकों के लिए बी, सी और डी में अधिभार के आधार पर गुणानुक्रम अनुसार प्रवेश दिया जावेगा।

- * खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यर्थियों के लिए।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

श्रेणी A विशेष प्रोत्साहन – आउटराइट (Outright)

<p>1. ओलंपिक खेल/वर्ल्डकप चैम्पियनशिप/वर्ल्डकप/कॉमनवेल्थ गेम्स/एशियन गेम्स/एशियन चैम्पियनशिप/साउथ एशियन गेम्स/पैरालंपिक गेम्स/अंतर्राष्ट्रीय यूथ गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ी</p>	<p>अर्हता पूर्ण होने पर पात्रता अनुसार बिना किसी गुणानुक्रम के सीट निर्धारण के साथ आउटराइट प्रवेश प्रदान किया जायेगा</p>
<p>2. एस.जी.एफ.आई. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता एवं भारत सरकार से मान्यता प्राप्त खेल संघों द्वारा आयोजित अधिकृत भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा 2 वर्ष में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता जूनियर प्रतियोगिता/राष्ट्रीय खेल/फेडरेशन कप/सीनियर नेशनल इंटर जोनल नेशनल/नेशनल स्कूल गेम्स/अंडर 17/19/खेलो इंडिया स्कूल/यूथ गेम्स अंडर 17/21/यूथ/ जूनियर नेशनल सब जूनियर/जोनल नेशनल प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त/प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को ।</p>	

श्रेणी B – (प्रतिशत अधिभार)

<p>स्टेट प्रतियोगिता/इंटर जोनल एवं मध्यप्रदेश राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय/अन्तर संभाग/अन्तर जिला/सीबीएससी/केवीएस/आईपीएससी/डीएवी/एनवीएस/विद्या भारती प्रतियोगिता के अंतर्गत</p>	<p>व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ी को</p>	<p>15 प्रतिशत अधिभार</p>
	<p>प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को</p>	<p>10 प्रतिशत अधिभार</p>

श्रेणी C – (प्रतिशत अधिभार)

<p>लोक शिक्षण संचालनालय अथवा मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अंतर जिला/संभाग स्तर जिले की प्रतियोगिता सीबीएससी क्लस्टर/केवीएस/एनवीएस, डी.ए.बी/विद्या भारती/सुब्रतो कप/स्कूल स्पोर्ट्स (जिला स्पोर्ट्स एसोसिएशन/जिला/डायरेक्टर ऑफ एजुकेशन/जिला स्कूल बोर्ड से प्रमाणित) के अंतर्गत</p>	<p>व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ी को</p>	<p>10 प्रतिशत अधिभार</p>
	<p>प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को</p>	<p>5 प्रतिशत अधिभार</p>

कला – संस्कृति (युवा उत्सव आदि) की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

श्रेणी A विशेष प्रोत्साहन – आउटराइट (Outright)

<p>अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम/द्वितीय/तृतीय स्थान एवं प्रतिभागिता पर राष्ट्रीय युवा उत्सव में सहभागिता पर</p>	<p>गतिविधियां –</p> <ul style="list-style-type: none"> • नृत्य (भारतीय शास्त्रीय/लोक), गायन (हिन्दुस्तानी/पारचात्य शास्त्रीय/सुगम/लोक/पारचात्य सुगम) • क्विज • रचनात्मक लेखन (हिन्दी एवं अंग्रेजी) • डिजिटल मीडिया (फोटोग्राफी/एनीमेशन/फिल्म मेकिंग) • संगीत वादन (हिन्दुस्तानी/पारचात्य) • फाइन आर्ट्स (स्केचिंग/पेंटिंग/स्कल्पचर) • थियेटर • वादविवाद (हिन्दी एवं अंग्रेजी) • विज्ञान संबंधी गतिविधियां 	<p>अर्हता पूर्ण होने पर पात्रता अनुसार बिना किसी गुणानुक्रम के सीट निर्धारण के साथ आउटराइट प्रवेश प्रदान किया जायेगा</p>
---	--	--

श्रेणी -B, C एवं D (प्रतिशत अधिभार)

(नृत्य भारतीय शास्त्रीय/लोक, गायन हिन्दुस्तानी/पारश्चात्य शास्त्रीय/सुगम लोक पारश्चात्य सुगम) विषय रचनात्मक लेखन (हिन्दी एवं अंग्रेजी) डिजिटल मीडिया (फोटोग्राफी/एनीमेशन/फिल्म मेकिंग) संगीत वादन (हिन्दुस्तानी/पारश्चात्य) फाइन आर्ट्स (स्केचिंग/पेंटिंग/स्कल्पचर) ललितकला थियेटर डिबेट (वादविवाद हिन्दी एवं अंग्रेजी)	B	राज्य स्तर पर प्रथम/द्वितीय/तृतीय स्थान एवं प्रतिभागिता पर	15 प्रतिशत अधिभार
	C	संभाग स्तर पर प्रथम/द्वितीय/तृतीय स्थान प्राप्त होने पर अधिभार हेतु पात्रता होगी परन्तु प्रतिभागिता सम्मिलित नहीं होगी	10 प्रतिशत अधिभार
	D	जिला स्तर पर प्रथम/द्वितीय/तृतीय स्थान प्राप्त होने पर अधिभार हेतु पात्रता होगी परन्तु प्रतिभागिता सम्मिलित नहीं होगी	05 प्रतिशत अधिभार

एन.सी.सी./एन.एस.एस./स्काउट्स (स्काउट/गाईड्स/रेन्जर्स) एवं रेडक्रास सोसायटी में भाग लेने वाले विद्यार्थियों हेतु -

श्रेणी A विशेष प्रोत्साहन - आउटरराइट (Outright)

1	नई दिल्ली के गणतंत्र दिवस परेड में मध्यप्रदेश के एन.सी.सी./एन.एस.एस. कॉन्टिनजेंट में भाग लेने वाले विद्यार्थी को	अर्हता पूर्ण होने पर पात्रता अनुसार बिना किसी गुणानुक्रम के सीट निर्धारण के साथ आउटरराइट प्रवेश प्रदान किया जायेगा
2	राष्ट्रपति स्काउट	
3	मध्यप्रदेश का सर्वश्रेष्ठ एन.सी.सी. कैंडेट	
4	ड्यूक ऑफ एडिनबरा अवार्ड प्राप्त एन.सी.सी. कैंडेट	
5	भारत के साथ अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लेने वाले कैंडेट	
6	एन.सी.सी./एन.एस.एस. के तहत चयनित एवं प्रयास करने वाले कैंडेट को अंतर्राष्ट्रीय जम्हूरी के लिये चयनित होने वाले विद्यार्थियों को	

श्रेणी B- (प्रतिशत अधिभार)

1	एन.सी.सी./एन.एस.एस. 'सी' सर्टिफिकेट या तृतीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट	10 प्रतिशत
2	राज्य स्तरीय (संचालनालयीन) एन.सी.सी. प्रतियोगिता	
3	राज्यपाल स्काउट	

श्रेणी C - (प्रतिशत अधिभार)

1	एन.सी.सी./एन.एस.एस. 'ए' सर्टिफिकेट	7 प्रतिशत
2	एन.सी.सी./एन.एस.एस. 'बी' सर्टिफिकेट या द्वितीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स	

श्रेणी D - (प्रतिशत अधिभार)

1	भारतीय रेडक्रास सोसायटी द्वारा प्रमाणित उत्कृष्ट गतिविधियों के लिये	5 प्रतिशत
2	एन.सी.सी. / एन.एस.एस. द्वारा प्रमाणित उत्कृष्ट गतिविधियों के लिये	

ऑनर्स विषय पाठ्यक्रम उत्तीर्ण विद्यार्थी को स्नातकोत्तर कक्षा में उसी विषय में प्रवेश लेने पर	10 प्रतिशत
---	------------

भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ अथवा साईन्स एण्ड कल्चर एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विज्ञान/सांस्कृतिक/साहित्यिक/कला क्षेत्र में चयनित और प्रयास करने वाले दल के सदस्यों को	10 प्रतिशत
--	------------

जम्मू-कश्मीर के विस्थापितों और उनके आश्रितों को	1 प्रतिशत
---	-----------

स्थानीय विद्यार्थियों को प्रवेश में प्राथमिकता (स्थानीयता का निर्धारण प्रवेश के लिए निर्धारित न्यूनतम संबंधित शैक्षणिक योग्यता निकट के स्कूल/महाविद्यालय से उत्तीर्ण होने के आधार पर दी जाएगी।)	5 प्रतिशत
---	-----------

26. प्रवेश संबंधी विशेष प्रावधान:-

26.1. प्रवेश पश्चात् कुलसचिव के अधिकार:-

26.1.1. जाली प्रमाण पत्रों के आधार पर गलत जानकारी देकर, जानबूझकर अथवा छिपाये गये प्रतिकूल तथ्यों प्रशासकीय अथवा कार्यालयीन असावधानीवश किसी आवेदक को यदि प्रवेश मिल जाता है, तब संज्ञान में आने पर ऐसे प्रवेश को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार कुलसचिव को होगा।

26.1.2. प्रावधिक प्रवेश के मामले में विभागाध्यक्ष पृथक सूची तैयार करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यार्थियों ने वे सारी पूर्तियाँ पूरी कर ली हैं, जिनके अभाव में उन्हें तत्समय प्रावधिक प्रवेश दिया गया था।

26.1.3. नियमित प्रवेश लेने के बाद बिना किसी समुचित कारण अथवा बिना पूर्व अनुमति या पूर्व सूचना के लगातार पन्द्रह दिवस तक ऑनलाईन/ऑफलाईन कक्षाओं में अनुपस्थित हरेने वाले विद्यार्थियों का प्रवेश निरस्त करने का अधिकार कुलसचिव का होगा। प्रवेश निरस्त करने

से पूर्व संस्था द्वारा विद्यार्थी/अभिभावक को अनुपस्थिति की सूचना प्रदान करते हुए कारण जानना होगा। तदोपरांत ही समुचित कारण होने पर कुलसचिव द्वारा प्रवेश निरस्त करने संबंधी कार्यवाही की जाएगी। कुलसचिव द्वारा प्रवेश निरस्त करने की सूचना रजिस्टर्ड डाक से विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से भेजनी होगी।

26.1.4. प्रवेश के बाद सत्र के दौरान कंडिका 22.2 एवं 22.3 में वर्णित अनुशासनहीनता के प्रकरण में लिप्त विद्यार्थियों का प्रवेश निरस्त करने अथवा उसे सस्था से निष्कासित करने का अधिकार कुलसचिव को होगा।

26.2. प्रवेश शुल्क वापसी की प्रक्रिया-

शुल्क वापसी की प्रक्रिया का नियमानुसार पालन सुनिश्चित किया जावे।

26.2.1. प्रवेश पश्चात् शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय छोड़ने/प्रावधिक प्रवेश पश्चात अनुत्तीर्ण घोषित होने/प्रवेश निरस्त होने की स्थिति में विद्यार्थी को प्रवेश प्रक्रिया शुल्क रुपये 150/- काटकर शेष जमा प्रवेश शुल्क (काॅशन मनी सहित) वापस किया जाएगा।

26.2.2. प्रवेश पश्चात् शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यार्थी के निष्कासन की स्थिति से विद्यार्थी को काॅशन मनी के अतिरिक्त अन्य कोई शुल्क वापस नहीं किया जायेगा।

26.2.3. प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थी का तकनीकी/व्यवसायिक पाठ्यक्रम में अन्यत्र प्रवेश हो जाने पर तत्संबंधी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर विद्यार्थी को यू.जी.सी. के नोटिफिकेशन अक्टूबर 2018 के तहत विश्वविद्यालय द्वारा राशि वापिस की जावेगी।

रिमार्क:- यू.जी.सी. द्वारा सूचित वैधानिक प्रोफेशनल काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत माने जायेंगे।

26.3. हितग्राही योजना परिवर्तन:-

26.3.1. ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया समाप्ति के पश्चात उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार घोषित समय सीमा में पात्रता अनुसार मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना/मुख्यमंत्री जनकल्याण (शिक्षा योजना/मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना में विद्यार्थी प्रवेशित महाविद्यालय में परिवर्तन कर सकेंगे। योजना परिवर्तन करने पर नियमानुसार प्रवेश शुल्क जमा/वापसी करना अनिवार्य होगा।

26.3.2. इस संबंध में विश्वविद्यालय विधिवत सूचना प्रसारित कर, प्राप्त आवेदन अनुसार कार्यवाही करेगा। विश्वविद्यालय द्वारा किये गये परिवर्तन की जानकारी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन मॉड्यूल में भी दर्ज करनी होगी अन्यथा किये गये परिवर्तन मान्य नहीं होंगे।

26.4. विषय/पाठ्यक्रम/संकाय परिवर्तन:-

ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया समाप्ति के पश्चात् कुलपति, महाराजा छत्रसाल बुदेलखण्ड के निर्देशानुसार घोषित समय सीमा में प्रवेशित महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु पात्रता अनुसार संबंधित संकाय/कक्षा/विषय में स्थान रिक्त होने पर परिवर्तन संबंधी कार्यवाही की जा सकेगी। निर्धारित समय सीमा में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर पावता/गुणानुक्रम का उल्लंघन होने की शर्त पर विषय/पाठ्यक्रम/संकाय में परिवर्तन की कार्यवाही की जा सकेगी। संबंधित ऑनलाइन मॉड्यूल पर निर्धारित समय सीमा में जानकारी अद्यतन करना अनिवार्य होगा। अन्यथा की स्थिति में परिवर्तन मान्य नहीं किया जाएगा/परम्परागत पाठ्यक्रमों से विधि पाठ्यक्रमों में स्थानांतरण की प्रक्रिया नहीं होगी।

26.5. प्रवेशित विद्यार्थी हेतु महाविद्यालय स्थानांतरण प्रक्रिया:-

सत्र 2024-25 में स्नातक/स्नातकोत्तर पर प्रवेशित विद्यार्थी यदि अपना महाविद्यालय परिवर्तन (स्थानांतरण) करना चाहते हैं ऐसे स्थिति में प्रवेशित विद्यार्थी पर्याप्त कारण सहित लिखित आवेदन प्रवेशित महाविद्यालय के प्राचार्य की सहमति के साथ जिस महाविद्यालय में प्रवेश स्थानांतरित किया जाना है को प्रस्तुत करना होगा। संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्य की सहमति के आधार पर स्थान रिक्त होने की स्थिति में स्थानांतरण किया जा सकेगा। विद्यार्थी के स्थानांतरण आवेदन पर दोनो महाविद्यालय के प्राचार्य की सहमति आवश्यक होगी एक दिवस में एक ही पाठ्यक्रम में एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर रिक्त स्थान अनुसार मेरिट के आधार पर प्रवेश दिए जा सकेंगे। प्रवेश स्थानांतरण की दशा में पूर्व महाविद्यालय

विद्यार्थी से लिया गया सम्पूर्ण प्रवेश शुल्क 03 दिवस की समयावधि में स्थानांतरित महाविद्यालय को अंतरित करना अनिवार्य होगा। विद्यार्थी के पूर्व प्रवेशित महाविद्यालय के को पर्याप्त कारण होने पर ही अन्य महाविद्यालय में जाने के लिए सहमति प्रदान किया जाना अनिवार्य होगा।

विशेष टीप:- आवेदक का स्थानान्तरण केवल उन्ही महाविद्यालयों में संभव होगा जहां पूर्व महाविद्यालय में चयनित विषय संचालित हो रहे होंगे एवं रिक्त सीट संख्या के साथ नवीन स्थानान्तरित होने वाले महाविद्यालय की मैरिट सूची अन्तर्गत पात्रता बनती हो।

26.6. अकादमिक कैलेण्डर का पालन सुनिश्चित करने की दृष्टि से ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया समाप्ति के बाद विश्वविद्यालय को प्रवेश पोर्टल से प्राप्त, ऑनलाइन प्रवेशित सूची में यदि किसी प्रकार की विसंगति दिखाई देती है तो प्रभारी आई.टी. सेल प्रवेश प्रक्रिया समाप्ति के 15 दिवस की समय सीमा में अनिवार्यतः आकदमिक शाखा, विश्वविद्यालय को पूर्ण तथ्यात्मक जानकारी, प्रमाण एवं प्रवेश पोर्टल से प्राप्त प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची सहित लिखित आवेदन निर्धारित समय अवधि में प्रस्तुत करना होगा। इस संबंध में ई-मेल द्वारा कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा। उक्त समय सीमा की समाप्ति के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

*** प्रवेशित विद्यार्थियों के त्रुटिपूर्ण डेटा में संशोधन प्रक्रिया:-**

(अ) ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया समाप्ति के पश्चात प्रवेशित विद्यार्थी को 30 दिवस की समय-सीमा में मूल दस्तावेजों को वि.वि.के प्रवेश कक्ष में दिखाकर संशोधन की कार्यवाही पूर्ण करना होगा वि.वि.ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से समस्त संशोधन की कार्यवाही कर सकेंगे।

(ब) अशासकीय अनुदान प्राप्त एवं निजी अशासकीय महाविद्यालय को प्रवेश पोर्टल से प्राप्त ऑनलाइन प्रवेशित सूची में यदि किसी प्रकार की विसंगति दिखाई देती है तो कुलसचिव प्रवेश समाप्ति के 30 दिवस की समय-सीमा में आवेदक के मूल दस्तावेजों को वि.वि.के प्रवेश में दिखाकर संशोधन की कार्यवाही पूर्ण कर सकेंगे। वि.वि. ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से समस्त संशोधन की कार्यवाही कर सकेंगे।

26.7. प्रवेश निरस्तीकरण उपरांत विद्यार्थी को दिये गये स्थानांतरण प्रमाण-पत्र का ऑनलाइन मॉड्यूल में प्रविष्टि करने संबंधी:-

एक बार प्रवेश प्राप्त कर लेने के पश्चात यदि आवेदक द्वारा विश्वविद्यालय से स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाता है तो इसकी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध करायें गये मॉड्यूल में देना अनिवार्य होगा, जिससे प्रवेशित आवेदकों की वस्तुस्थिति स्पष्ट रहे।

26.8. इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में उल्लेखित प्रावधानों की व्याख्या करने का अधिकार कुलसचिव, महाराजा महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय को है। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय को आवश्यकतानुसार मार्गदर्शी सिद्धांतों में समय-समय पर परिवर्तन/स्पष्टीकरण जारी करने/समय सारणी घोषित एवं परिवर्तन करने/प्रवेश पोर्टल संबंधी जानकारी देने/प्रवेश संबंधी निर्देश जारी करने का अधिकार प्रदत्त किया जाता है। विशिष्ट एवं सैद्धांतिक प्रकरण में अंतिम निर्णय का सम्पूर्ण अधिकार राज्य शासन को होगा।

कुलसचिव
महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय
छतरपुर (म.प्र.)

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

ऑनलाइन प्रवेश समय-सारणी सत्र 2024-25

(<https://mcbu.ac.in> or <https://mcbu.mponline.gov.in> or <https://utd admission.mponline.gov.in>)

क्र.	कार्य का विवरण	स्नातक (प्रथम वर्ष)		कुल दिवस	स्नातकोत्तर (प्रथम सेमेस्टर)		कुल दिवस
		दिनांक से	दिनांक तक		दिनांक से	दिनांक तक	
प्रथम चरण							
1	(अ) ऑनलाईन पंजीयन एवं विश्वविद्यालय /पाठ्यक्रम/विषय समूह का विकल्प देना	06.05.2024	17.05.2024	12	07.05.2024	18.05.2024	12
	(ब) ऑनलाईन दस्तावेजों का सत्यापन (आवेदकों को सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय में आने की आवश्यकता नहीं है, किन्तु जिन आवेदकों को त्रुटि सुधार हेतु संदेश प्रेषित किया गया है, उन्हें विश्वविद्यालय के हेल्पसेंटर में उपस्थित होकर सुधार करवाना होगा।)	07.05.2024	18.05.2024	12	08.05.2024	20.05.2024	13
2	(अ) प्रथम चरण के सीट आवंटन पत्र जारी करना एवं कट ऑफ की पोर्टल पर जानकारी प्रदर्शित करना।	22.05.2024			25.05.2024		
	(ब) विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश शुल्क भुगतान करना। (भुगतान किये गये आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा, प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने पर प्रवेश मान्य नहीं माना जावेगा।)	22.05.2024	27.05.2024	6	25.05.2024	29.05.2024	5
	(स) प्रथम चरण में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के आवेदन पर प्रवेश निरस्त कराना (प्रवेश निरस्तीकरण पश्चात विद्यार्थी पुनः विकल्प चयन कर ही आगामी चरण की प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।)						
द्वितीय चरण							
3	(अ) विश्वविद्यालय में प्रथम चरण के पश्चात (द्वितीय चरण हेतु) रिक्त रह गये स्थानों की पाठ्यक्रम/आरक्षण वर्गवार पोर्टल पर जानकारी	29.05.2024			31.05.2024		
	(ब) अपंजीकृत आवेदकों हेतु ऑनलाइन पंजीयन तथा पूर्व से पंजीकृत एवं प्रवेश निरस्त कराने वाले आवेदकों द्वारा पाठ्यक्रम विषय समूह का विकल्प देना।	31.05.2024	06.06.2024	8	01.06.2024	09.06.2024	9
	(स) ऑनलाईन दस्तावेजों का सत्यापन (आवेदकों को विश्वविद्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं है, किन्तु जिन आवेदकों को त्रुटि सुधार हेतु संदेश प्रेषित किया गया है, उन्हें विश्वविद्यालय के हेल्पसेंटर में उपस्थित होकर सुधार करवाना होगा।)	01.06.2024	07.06.2024	7	02.06.2024	10.06.2024	9
4	(अ) द्वितीय चरण के सीट आवंटन पत्र जारी करना एवं कट ऑफ की पोर्टल पर जानकारी प्रदर्शित करना।	12.06.2024			15.06.2024		
	(ब) विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश शुल्क भुगतान करना। (भुगतान किये गये आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा, प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने पर प्रवेश मान्य नहीं माना जावेगा।)	12.06.2024	18.06.2024	7	15.06.2024	20.06.2024	6

(स) प्रथम एवं द्वितीय चरण में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के आवेदन पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश निरस्त कराना (प्रवेश निरस्तीकरण पश्चात विद्यार्थी पुनः विकल्प चयन कर ही आगामी चरण की प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगा।)						
--	--	--	--	--	--	--

यू.एल.सी. प्रथम चरण

(अ) विश्वविद्यालय में द्वितीय चरण के पश्चात पाठ्यक्रमवार रिक्त सीटों की जानकारी (सभी सीटे अनारक्षित से होगी)	20.06.2024			22.06.2024		
(ब) अपंजीकृत आवेदकों हेतु ऑनलाइन पंजीयन तथा पूर्व से पंजीकृत एवं प्रवेश निरस्त कराने वाले आवेदकों द्वारा पाठ्यक्रम/विषय समूह का विकल्प देना।	20.06.2024	25.06.2024	5	22.06.2024	26.06.2024	5
5 (स) ऑनलाईन दस्तावेजों का सत्यापन (आवेदको को विश्वविद्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं है, किन्तु जिन आवेदकों को त्रुटि सुधार हेतु संदेश प्रेषित किया गया है, उन्हें विश्वविद्यालय के हेल्पसेंटर में उपस्थित होकर सुधार करवाना होगा।)	21.06.2024	26.06.2024	6	23.06.2024	28.06.2024	6
(द) यू.एल.सी. चरण की मेरिट सूची जारी करना	01.07.2024			02.07.2024		
(ब) विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश शुल्क भुगतान करना। (भुगतान किये गये आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा, प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने पर प्रवेश मान्य नहीं माना जावेगा।)	01.07.2024	04.07.2024	4	02.07.2024	05.07.2024	4

यू.एल.सी. द्वितीय चरण

(अ) विश्वविद्यालय में द्वितीय चरण के पश्चात पाठ्यक्रमवार रिक्त सीटों की जानकारी (सभी सीटे अनारक्षित से होगी)	05.07.2024			08.07.2024		
(ब) अपंजीकृत आवेदकों हेतु ऑनलाइन पंजीयन तथा पूर्व से पंजीकृत एवं प्रवेश निरस्त कराने वाले आवेदकों द्वारा पाठ्यक्रम/विषय समूह का विकल्प देना।	08.07.2024	13.07.2024	6	09.07.2024	15.07.2024	7
6 (स) ऑनलाईन दस्तावेजों का सत्यापन (आवेदको को विश्वविद्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं है, किन्तु जिन आवेदकों को त्रुटि सुधार हेतु संदेश प्रेषित किया गया है, उन्हें विश्वविद्यालय के हेल्पसेंटर में उपस्थित होकर सुधार करवाना होगा।)	09.07.2024	15.07.2024	7	10.07.2024	16.07.2024	7
(द) यू.एल.सी. चरण की मेरिट सूची जारी करना	19.07.2024			22.07.2024		
(ब) विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश शुल्क भुगतान करना। (भुगतान किये गये आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा, प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने पर प्रवेश मान्य नहीं माना जावेगा।)	19.07.2024	23.07.2024	5	22.07.2024	26.07.2024	5

अकादमिक प्रभारी

महाराजा छपसाल बुन्देलखण्ड वि.वि.
छतरपुर (म.प्र.)

कुलसचिव

महाराजा छपसाल बुन्देलखण्ड वि.वि.
छतरपुर (म.प्र.)

सामान्यतः पूछे जाने वाले प्रश्न ;Frequently Asked Question

प्रश्न 1 विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया हेतु पंजीयन (Registration) कहाँ करना होगा ?

उत्तर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में पंजीयन (Registration) करने हेतु एम.पी. ऑनलाइन के पोर्टल (<https://utdadmission.mponline.gov.in/>) पर क्लिक करें। स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों हेतु (<https://utdadmission.mponline.gov.in/>) एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों हेतु (<https://utdadmission.mponline.gov.in/>) पर क्लिक करने के उपरांत पंजीयन फार्म की लिंक उपलब्ध होगी। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल/ सी.बी.एस.ई./ आई.सी.एस.ई. बोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की जानकारी उपरोक्त बोर्ड द्वारा जारी किये गये परीक्षा परिणाम से स्वतः सत्यापित हो जावेगी। जिसस अभ्यर्थी की जानकारी पंजीयन फार्म में भरी हुई दर्शित होगी।

प्रश्न 2 बोर्ड चयन, रोल नम्बर व नाम भरने के बाद स्वतः भरी हुई सूचनाओं या अंकों में गलती पाई जाये तो क्या मैं सूचनाओं या अंकों को ठीक कर सकता हूँ ?

उत्तर (अ.) पंजीयन शुल्क भुगतान के पूर्व तक की स्थिति में आवेदक स्वतः भरी हुई सूचनाओं या अंको में (रोल नंबर एवं नाम को छोड़कर) स्वयं संशोधन कर सकता है।

(ब.) पंजीयन शुल्क भुगतान के पश्चात आवेदक को विश्वविद्यालय के(हेल्प सेन्टर) द्वारा फॉर्म अनलॉक करवाकर स्वयं/ कियोस्क/ विश्वविद्यालय के द्वारा संशोधन (रोल नंबर एवं नाम को छोड़कर) करवा सकता है। संशोधन पश्चात पुनः विकल्प चयन कर सत्यापन करवाना अनिवार्य होगा।

प्रश्न 3 क्या पंजीयन फार्म में त्रुटि सुधार संभव है ?

उत्तर (अ.) पंजीयन शुल्क भुगतान से पूर्व :- हाँ। आवेदक अपने लॉगिन आई.डी से पंजीयन फार्म में त्रुटिसुधार कर सकते हैं।

(ब.) पंजीयन शुल्क भुगतान के पश्चात:- आवेदक विश्वविद्यालय के(हेल्प सेन्टर)द्वारा फार्म अनलॉक करवाकर स्वयं/ कियोस्क/ विश्वविद्यालय के द्वारा त्रुटि सुधार कर सकेगा। त्रुटि सुधार पश्चात पुनः

विकल्प चयन कर सत्यापन करवाना अनिवार्य होगा।

प्रश्न 4 पंजीयन करते समय किन दस्तावेजों को अपलोड करना होगा?

उत्तर ई-सत्यापित आवेदकों को कोई भी दस्तावेज अपलोड नहीं करना होगा केवल अधिभार के इच्छुक आवेदकों को दस्तावेज अपलोड करने होंगे। पंजीयन के समय आवेदक को ई-सत्यापन हेतु स्वयं की फोटो के साथ निम्नलिखित आवश्यक मूल दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करना होगा (स्पष्ट एवं पठनीय)-

(अ) अंक सूची -न्यूनतम अर्हकारी परीक्षा स्नातक प्रथम वर्ष हेतु बारहवीं, स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर हेतु स्नातक अंतिम वर्ष/ षष्ठम सेमेस्टर

(ब) जाति प्रमाण पत्र- (अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग), यदि लागू होतो

(स) संवर्ग प्रमाण पत्र- (दिव्यांग/ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के संबंधी/ उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के पाल्य आदि) यदि लागू हो तो

(द) अधिभार संबंधी प्रमाण पत्र, यदि लागू हो तो

(मार्गदर्शिका की कण्डिका 5.4.1 से 5.4.4. का अवलोकन करें)

प्रश्न 5 च्वाईस फिलिंग लॉक करने के पश्चात् च्वाईस फिलिंग में परिवर्तन कैसे करें ?

उत्तर च्वाईस फिलिंग लॉक करने के पश्चात् आवेदक हेल्प सेन्टर के माध्यम से फॉर्म को अनलॉक करवाकर महाविद्यालय/ स्वयं/ कियोस्क के माध्यम से च्वाईस फिलिंग में परिवर्तन कर सकता है।

प्रश्न 6 क्या 10+2 में पूरक 1/4 Supplementary) प्राप्त विद्यार्थी ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया हेतु पंजीयन के लिए पात्र होंगे?

उत्तर कक्षा 12वीं में पूरक प्राप्त विद्यार्थियों को भी प्रावधिक प्रवेश के लिए पंजीयन कराना अनिवार्य है। प्रवेश प्रक्रिया के सी.एल.सी. चरण तक आवेदकों के पूरक परीक्षा के परिणाम घोषित न होने की स्थिति में इन विद्यार्थियों को स्थान रिक्त रहने पर ही प्रावधिक प्रवेश दिया जा सकेगा। इस हेतु पूरक परीक्षा परिणाम वाली अंक सूची ही ऑनलाइन पंजीयन के समय अपलोड करनी होगी। प्रवेश प्रक्रिया संचालन के मध्य पूरक परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित होने पर उन्हें आगामी चरण / सी.एल.सी में अपने ऑनलाइन आवेदन को अद्यतन करने के साथ ही महाविद्यालय / पाठ्यक्रम की च्वाईस फिलिंग एवं दस्तावेज / प्रमाण पत्र को स्कैन कर अनिवार्यतः ऑनलाइन अपलोड करना होगा।

प्रश्न 7 आवेदन क्रमांक (Application ID) और पासवर्ड (Password) गुम/भूल जाने की स्थिति में कैसे वापस प्राप्त किया जा सकता है ?

उत्तर आवेदक पोर्टल पर उपलब्ध शचवू लवनत विधशपरंदज पक या व्यतहमण स्यनत हूँवतक के द्वारा अपने आवेदन क्रमांक (Application ID) एवं पासवर्ड (Password) प्राप्त कर सकते हैं।

प्रश्न 8 क्या पंजीयन शुल्क भुगतान के समय पर ट्रांजेक्शन फेल (Transaction Fail) होने की स्थिति में दुबारा पंजीयन करवाना होगा ?

उत्तर नहीं, आवेदक Fill/Pay Unpaid Registration Form Tab के द्वारा अपने पंजीयन आवेदन का पुनः शुल्क भुगतान कर सकते हैं।

प्रश्न 9 पंजीकृत मोबाईल नम्बर (Registered Mobile Number) गुम हो जाने की स्थिति में ओ.टी.पी. कैसे प्राप्त किया जा सकता है ?

उत्तर पंजीकृत मोबाईल नम्बर गुम हो जाने की स्थिति में आवेदक प्रवेश नियम एवं मार्गदर्शी सिद्धान्त में

दिये गये ई-मेल आई.डी. पर मैसेज के द्वारा सूचित कर/नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नम्बर पर सम्पर्क कर नया मोबाईल नंबर दर्ज कराने की प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

प्रश्न 10 स्नातक अंतिम वर्ष/ छठवें सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में पंजीयन के समय कौन सी अंक सूची अपलोड करनी होगी ?

उत्तर स्नातक अंतिम वर्ष/ छठवें सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में आवेदक स्नातकोत्तर स्तर में प्रावधिक प्रवेश हेतु केवल स्नातक द्वितीय वर्ष / पांचवें सेमेस्टर की अंकसूची अपलोड करेंगे।

प्रश्न 11 स्नातक अंतिम वर्ष / छठवें सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में प्रावीण्यता हेतु पंजीयन फार्म में कौन से प्राप्तांक / प्रतिशत दर्ज करना होगा ?

उत्तर स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु अर्हकारी स्नातक अंतिम वर्ष / छठवें सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में प्रावधिक प्रवेश हेतु प्रथम एवं द्वितीय वर्ष / प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर तक के प्राप्तांकों का प्रतिशत ऑनलाइन पंजीयन के समय दर्ज करना होगा। गुणानुक्रम का निर्धारण प्रावधिक प्रवेश हेतु दर्ज प्राप्तांकों के आधार पर ही होगा।

प्रश्न 12 मैंने प्रवेश के प्रथम चरण में पंजीयन नहीं करवाया है क्या मैं अगले चरण/सी.एल.सी. धरण हेतु नया पंजीयन करवा सकता हूँ?

उत्तर हाँ, आवेदक जिन्होंने पूर्व में अपना पंजीयन नहीं कराया है, समय-सारणी अनुसार पंजीयन शुल्क का भुगतान कर पंजीयन / दस्तावेज अपलोड / विश्वविद्यालय/पाठ्यक्रम चयन/ई-सत्यापन पश्चात् अगले चरण/यू.एल.सी.चरण की प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।

प्रश्न 13 पुनः वरीयता/विकल्प चयन हेतु क्या कोई शुल्क देय होगा ?

उत्तर नहीं।

प्रश्न 14 पंजीयन के समय आवेदक कितने पाठ्यक्रम का विकल्प चयन कर सकते हैं ?

उत्तर सत्र 2024-25 में ऑनलाइन ई-प्रवेश प्रक्रिया में पंजीयन के समय आवेदक न्यूनतम 1 एवं अधिकतम 07 पाठ्यक्रमों का चयन करते हुए विकल्प चयन (च्वाईस फिलिंग) कर सकेंगे।

प्रश्न 15 क्या एक ही विश्वविद्यालय में एक से अधिक पाठ्यक्रम का चयन किया जा सकता है ?

उत्तर हाँ।

प्रश्न 16 मेरी बारहवीं की अंक सूची ग्रेडिंग प्रणाली पर आधारित है। योग्यता के विवरण खण्ड फर्नसपिपंजबकद में प्रविष्टि किस प्रकार करूँ ?

उत्तर बारहवीं की अंक सूची ग्रेडिंग प्रणाली पर आधारित होने पर योग्यता के विवरण खण्ड में ड्रॉप डाउन मेन्यू से ग्रेडिंग सिस्टम का चयन करें एवं अंकसूची में दर्शित ग्रेड को नियमानुसार प्रतिशत में परिवर्तित कर प्रविष्टि करें।

प्रश्न 17 अतिरिक्त विषय संबंधी जानकारी कब भरना होगा ?

उत्तर पंजीयन के समय आवेदन फार्म में योग्यता का विवरण खण्ड (Qualification Details Box) में अतिरिक्त विषय की जानकारी भरना होगा।

प्रश्न 18 मैंने बारहवीं में मुख्य विषय गणित के साथ अतिरिक्त विषय बायोलॉजी, का भी अध्ययन किया है, जो अंक सूची में दर्शित है, मैं किस संकाय में आवेदन करने हेतु पात्र हूँ ?

उत्तर आवेदक को दोनों संकाय में प्रवेश हेतु पात्रता है। है। गणित मुख्य विषय के साथ प्राप्तांक के आधार पर

पात्रता निर्धारित की जायेगी। बायोलॉजी अतिरिक्त विषय का लाभ लेने हेतु गणित के प्राप्तांक के स्थान पर बायोलॉजी के प्राप्तांक जोड़कर प्रतिशत की गणना की जायेगी।

प्रश्न 19 स्नातक/स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश हेतु आयु संबंधी क्या प्रावधान है ?

उत्तर वर्ष 2018-19 से स्नातक एवं स्नातकोत्तर में प्रवेश हेतु अधिकतम आयु सीमा हटाई गई है अर्थात् सभी विद्यार्थियों के लिए आयु सीमा का कोई बंधन नहीं होगा।

प्रश्न 20 10+2 परीक्षा के उत्तीर्ण विद्यार्थी कौन-कौन से विषय में प्रवेश के लिए पात्र होंगे ?

उत्तर:-

स.क्र.	10+2 अर्हकारी परीक्षा	स्नातक कक्षा में प्रवेश हेतु पात्र
1	विज्ञान	विज्ञान संकाय के सुसंगत विषय / वाणिज्य संकाय / कला संकाय/गृह विज्ञान
2	वाणिज्य	वाणिज्य संकाय/कला संकाय / गृह विज्ञान संकाय/बी.बी.ए./बी.सी.ए.
3	कला	कला संकाय / गृह विज्ञान संकाय/ बी.बी.ए./बी.सी.ए.
4	गृह विज्ञान	गृह विज्ञान संकाय/कला संकाय
5	कृषि	कला संकाय / बी.एस.सी. (जीव. विज्ञान समूह) (जीव. विज्ञान समूह के एलाइड विषयों जैसे-माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नॉलाजी, सीड टेक्नॉलाजी आदि विषय)
6	व्यावसायिक पाठ्यक्रम	कला संकाय / वाणिज्य संकाय/विज्ञान संकाय / गृह विज्ञान संकाय अंकसूची में दर्शित विषयों के अनुसार इस हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका की कण्डिका 5.1.6 का अवलोकन करें।

अधिक जानकारी के लिए पोर्टल पर उपलब्ध ऐलिजिवलिटी मापहपइपसपजस उंद द्वारा आवेदक पात्रता की जांच कर सकते हैं।

प्रश्न 21 पात्रता प्रमाण पत्र के अभाव में पंजीयन किस प्रकार होगा ?

उत्तर ऑनलाइन पंजीयन के समय संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण अपलोड करना आवश्यक होगा।

प्रश्न 22 विश्वविद्यालय से पात्रता कब प्राप्त करनी होगी ?

उत्तर सर्वप्रथम आवेदक पोर्टल पर उपलब्ध न्वपादनपत्र पं व द्वारा पाठ्यक्रम हेतु पात्रता की जांच करें, आवश्यक होने पर पंजीयन के पूर्व विश्वविद्यालय से पात्रता हेतु ऑनलाइन आवेदन करें एवं ऑनलाइन आवेदन की रसीद पंजीयन के समय अनिवार्यतः अपलोड करें।

प्रश्न 23 बी.सी.ए. में प्रवेश लेने हेतु पात्रता क्या होगी ?

उत्तर बी.सी.ए. में प्रवेश हेतु 102 परीक्षा कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं जीवविज्ञान में उत्तीर्ण विद्यार्थी गुणानुक्रम अनुसार पात्र होंगे।

प्रश्न 24 मैं पूर्व का हायर सेकेण्ट्री (ग्यारहवीं) उत्तीर्ण आवेदक हूँ क्या प्रवेश पंजीयन हेतु पात्र हूँ ?

उत्तर मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल से पूर्व के हायर सेकेण्ट्री (ग्यारहवीं) उत्तीर्ण आवेदकों को स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

प्रश्न 25 एम.एस.डब्लू पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम पात्रता प्रतिशत क्या है ?

उत्तर एम.एस.डब्लू. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम पात्रता 45 है।

प्रश्न 26 नामांकन प्रक्रिया क्या होगी ?

उत्तर स्नातक प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के आवेदकों (युटीडी के नामांकन की प्रक्रिया अलग से होगी) को ऑनलाइन पंजीयन के समय ही ऑनलाइन नामांकन फॉर्म भी भरना होगा। प्रवेश शुल्क की प्रथम किश्त के भुगतान उपरान्त आवेदक के नामांकन एवं यूनिवर्सिटी आई.डी की कार्यवाही स्वतः पूर्ण हो जायेगी।

प्रश्न 27 स्वयं के नाम का जाति प्रमाण पत्र न होने की स्थिति में क्या करना होगा ?

उत्तर ऑनलाइन पंजीयन के समय आवेदक के स्वयं के नाम का जाति प्रमाण पत्र न होने की स्थिति में पिता के नाम का स्थायी जाति प्रमाण पत्र अपलोड करना आवश्यक होगा। उसके पश्चात् ही प्रवेश हेतु जाति प्रमाण पत्र का सत्यापन एवं लाभ प्राप्त हो सकेगा। आवेदक स्वयं के नाम का जाति प्रमाण पत्र प्राप्त होते ही प्रवेशित महाविद्यालय के प्रवेश काउन्टर पर जाति प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रति (मूल प्रति सहित) अनिवार्यतः जमा करें। जिससे पंजीयन आवेदन में जाति दर्ज की जा सकेगी।

प्रश्न 28 जाति प्रमाण पत्र डिजिटल नहीं है ?

उत्तर आवेदक का जाति प्रमाण पत्र डिजिटल न होने के स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी पूर्व के वैध जाति प्रमाण पत्र भी सत्यापन हेतु मान्य किये जायेंगे।

प्रश्न 29 मध्यप्रदेश का मूल निवासी हूँ परन्तु 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा किसी अन्य राज्य से उत्तीर्ण की है तो क्या मुझे मध्यप्रदेश के मूल निवासी का लाभ प्राप्त होगा ?

उत्तर मध्यप्रदेश राज्य के ऐसे मूल निवासी जिन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाएं अन्य प्रदेश में अध्ययन कर उत्तीर्ण की हैं किन्तु वे मध्यप्रदेश के मूल निवासी हैं उन्हें पंजीयन के समय मध्यप्रदेश के मूल निवासी का प्रमाण पत्र अनिवार्यतः अपलोड करना होगा, अन्यथा उन्हें मध्यप्रदेश के मूल निवास का लाभ प्राप्त नहीं होगा।

प्रश्न 30 कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा मैंने मध्यप्रदेश से उत्तीर्ण की है, क्या मुझे पंजीयन के समय मूल निवास प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा ?

उत्तर- मध्यप्रदेश राज्य से दसवीं एवं बारहवीं उत्तीर्ण आवेदक जो मध्यप्रदेश के मूल निवासी हैं उन्हें पंजीयन के समय के समय मूल निवास प्रमाण पत्र अपलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रश्न 31 पंजीयन के समय दिव्यांग श्रेणी का लाभ लेने हेतु क्या करना होगा ?

उत्तर दिव्यांग श्रेणी के आवेदकों को जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त निर्धारित प्रारूप में जारी प्रमाण पत्र

(जिसमें 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता का उल्लेख हो) पंजीयन के समय अपलोड करने पर इस श्रेणी का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

प्रश्न 32 मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग तथा उसके अधीनस्थ शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों के पाल्यों हेतु क्या प्रावधान है ?

उत्तर मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग तथा उसके अधीनस्थ शासकीय कार्यालय / विश्वविद्यालय, आयुक्त कार्यालय उच्च शिक्षा में नियमित कार्यरत / सेवानिवृत्त/दिवंगत् अधिकारियों एवं कर्मचारियों, प्राचार्यों, प्राध्यापकों, ग्रंथपालों, क्रीडा अधिकारियों, रजिस्ट्रारों एवं शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के पाल्यों के लिए सभी सम्बन्धित संवर्गों में उपलब्ध स्थानों में से 5 प्रतिशत स्थान आरक्षित रखे जायेंगे। इस श्रेणी का लाभ लेने हेतु पंजीयन के समय ही प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा जिसमें कर्मचारी क्रमांक (उचसवलगम अधम) का उल्लेख हो।

प्रश्न 33 मैं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (१) का आवेदक हूँ प्रवेश हेतु क्या लाभ प्राप्त होगा ?

उत्तर आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश हेतु 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जायेगा। इस हेतु "आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग" (१) का प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। लाभ लेने हेतु पंजीयन के समय प्रमाण पत्र अपलोड करना आवश्यक होगा।

प्रश्न 34 अधिभार हेतु सत्र 2015-16 का प्रमाण पत्र उपलब्ध है क्या इसका लाभ प्राप्त होगा ?

उत्तर नहीं। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिये अधिभार हेतु आवेदक स्कूल स्तर के विगत चार क्रमिक सत्र (अर्थात् सत्र 2020-21 के पूर्व के मान्य नहीं होंगे) तक के प्रमाण पत्र ही पंजीयन के समय अपलोड कर सकेंगे। स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में अधिभार हेतु स्नातक स्तर में आवेदक के विगत तीन क्रमिक सत्र (अर्थात् सत्र 2021-22 के पूर्व के मान्य नहीं होंगे) तक के प्रमाण पत्र ही पंजीयन के समय अपलोड कर सकेंगे।

प्रश्न 35 मैं ऑनर्स से स्नातक उत्तीर्ण आवेदक हूँ, स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने पर क्या कोई अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा ?

उत्तर ऑनर्स विषय पाठ्यक्रम उत्तीर्ण विद्यार्थी को स्नातकोत्तर कक्षा में उसी विषय में प्रवेश लेने पर प्राप्तांकों का 10 प्रतिशत अधिभार प्राप्त होगा।

प्रश्न 35 मेरे पास एन.सी.सी./एन.एस.एस का 'ए' सर्टिफिकेट है क्या प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु कोई लाभ प्राप्त होगा ?

उत्तर एन.सी.सी./एन.एस.एस के 'ए' सर्टिफिकेट प्राप्त आवेदकों को स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु प्राप्तांकों का 7 प्रतिशत अधिभार प्राप्त होगा।

प्रश्न 37 स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण आवेदक को विधि संकाय (एल.एल.बी.) प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने हेतु क्या प्रावधान हैं ?

उत्तर स्नातकोत्तर उत्तीर्ण आवेदक विधि संकाय में प्रथम घरण से प्रवेश हेतु पात्र होंगे।

प्रश्न 38 दस्तावेजों का सत्यापन कहाँ होगा ?

उत्तर सत्र 2024-25 में सत्यापन की प्रक्रिया मध्यप्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों (न्नतय अदजमते) में ऑनलाइन सम्पन्न की जावेगी।

प्रश्न 39 क्या दस्तावेजों के सत्यापन के पहले महाविद्यालय/पाठ्यक्रम का चयन करना अनिवार्य है ?

उत्तर हाँ, दस्तावेजों के ई-सत्यापन के पहले महाविद्यालय/पाठ्यक्रम का चयन करना अनिवार्य है। एक

आवेदक सामान्य एवं अल्पसंख्यक महाविद्यालय के लिए संयुक्त रूप से महाविद्यालय की च्वाइस फिलिंग

कर सकेंगे।

प्रश्न 40 सत्यापन प्रक्रिया क्या होगी ?

उत्तर सत्यापन हेतु समस्त शासकीय महाविद्यालय आवंटन अनुसार ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदकों के पंजीयन फॉर्म का सत्यापन, अपलोड किए गए प्रमाण पत्र/दस्तावेजों को डाउनलोड कर परीक्षण उपरांत संबंधित अधिकारी "सत्यापन पूर्ण" के बॉक्स पर क्लिक करेंगे, जिससे आवेदक का सत्यापन सुनिश्चित हो सकेगा। आवेदक का फार्म ई-सत्यापित होते ही इसकी सूचना आवेदक के पंजीकृत मोबाईल नंबर पर संदेश के माध्यम से प्रेषित की जायेगी। आवेदक स्वयं भी अपने लॉगिन आई.डी. से आवेदन फार्म के ई-सत्यापन की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

प्रश्न 41 असत्यापित / त्रुटिपूर्ण आवेदन की स्थिति में क्या करना होगा ?

उत्तर यदि किसी आवेदक के पंजीयन आवेदन पत्र में त्रुटि है या अपलोड किए गए आवश्यक प्रमाण पत्र/दस्तावेज अस्पष्ट / अपर्याप्त / अपूर्ण पाये जाते हैं तो ऐसी स्थिति में आवेदन फार्म का ऑनलाइन सत्यापन नहीं किया जा सकेगा। इसकी सूचना आवेदक को पंजीकृत मोबाईल नंबर / ई-मेल पर संदेश के माध्यम से दी जावेगी। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया हेतु निर्धारित समय सारणी अनुसार आवेदक स्वयं/अभिभावक मूल दस्तावेजों के साथ किसी भी निकटतम शासकीय महाविद्यालय (भाव मदजाका) में उपस्थित होकर त्रुटि सुधार/पुनः सत्यापन करवा सकेंगे। शासकीय महाविद्यालय (म्भराय मदजगत) ऐसे आवेदकों के पंजीयन आवेदन में त्रुटि सुधार कर उनके सही दस्तावेज अपलोड कर पुनः सत्यापन की कार्यवाही पूर्ण करेंगे।

प्रश्न 42 प्रथम चरण में सीट आवंटित न होने पर मुझे क्या करना होगा ?

उत्तर प्रथम चरण में सीट आवंटित न होने पर आवेदक विकल्प परिवर्तन करने के लिए समय सारणी अनुसार ऑनलाइन पाठ्यक्रम का चयन कर आगामी चरण में शामिल हो सकेंगे। विकल्प चयन में परिवर्तन न करने की स्थिति में पूर्व के विकल्प मान्य होंगे।

प्रश्न 43 सी.एल.सी आवेदन हेतु क्या विश्वलद्यालय जाने की आवश्यकता है ?

उत्तर नहीं। सत्र 2024-25 में ऑनलाइन सी.एल.सी प्रवेश प्रक्रिया होगी इस हेतु विश्वलद्यालय स्तर पर कोई लिखित आवेदन नहीं लिये जायेंगे।

प्रश्न 44 प्रथम चरण में मुझे प्रथम विकल्प (व्यतेज वैवषधम) का विश्वलद्यालय आवंटित हुआ परन्तु मैंने प्रवेश नहीं लिया, मुझे आगामी चरण की प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने हेतु क्या करना होगा ?

उत्तर यदि प्रथम विकल्प का विश्वलद्यालय आवंटित होने पर विद्यार्थी प्रवेश नहीं लेता है, या प्रवेश लेकर उसे निरस्त करता है। उस स्थिति में विद्यार्थी को सी.एल.सी. चरण में विकल्प चयन का अवसर प्राप्त होगा।

प्रश्न 45 मुझे द्वितीय विकल्प (मभवदक वैवपचम) का विश्वलद्यालय आवंटित हुआ और मैंने प्रवेश नहीं लिया तो मुझे अगले चरण में शामिल होने हेतु क्या करना होगा ?

उत्तर द्वितीय विकल्प (मबबदक देवपचम) का विश्वलद्यलय आवंटित होने पर यदि प्रवेश नहीं लिया जाता है, तो अगले चरण में शामिल होने हेतु पुनः ऑनलाइन महाविद्यालय / पाठ्यक्रम के चयन का विकल्प रहेगा।

प्रश्न 46 विश्वलद्यलय आवंटन की सूचना कैसे प्राप्त होगी क्या इस हेतु मुझे विश्वलद्यलय जाना होगा ?

उत्तर आवंटन की सूचना प्राप्त करने हेतु आवेदक को किसी भी विश्वलद्यलय में जाने की आवश्यकता नहीं है। विश्वलद्यलय आवंटित होने की सूचना आवेदक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर दी जावेगी। इसके अतिरिक्त आवेदक ई प्रवेश पोर्टल पर महाविद्यालय आवंटित होने/न होने की अद्यतन स्थिति स्वयं के आई.डी. पासवर्ड से (कैंडिडेट स्टेटस पर डाल कर) भी जान सकते हैं।

प्रश्न 47 प्रथम चरण प्रवेश प्रक्रिया उपरान्त आगामी चरण में शामिल होने हेतु पाठ्यक्रम / पुनः विकल्प चयन से पूर्व विभिन्न महाविद्यालयों के रिक्त स्थान (टवंदवत) की जानकारी कैसे प्राप्त की जा सकती है?

उत्तर प्रथम चरण प्रवेश प्रक्रिया उपरान्त आगामी चरण में शामिल होने हेतु पाठ्यक्रम/पुनः विकल्प चयन से पूर्व विभिन्न महाविद्यालयों के रिक्त स्थान (संपादन) की जानकारी ई-प्रवेश पोर्टल पर टयबल ३ के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

प्रश्न 48 ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में कक्षावार / वर्गवार कटऑफ की जानकारी कैसे प्राप्त कर सकता हूँ ?

उत्तर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में आवंटन के साथ ई प्रवेश पोर्टल पर विभिन्न महाविद्यालयों की कक्षावार / वर्गवार कट-ऑफ की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्रश्न 49 रूक जाना नहीं योजना के आवेदकों हेतु प्रवेश प्रक्रिया क्या होगी ?

उत्तर ई-प्रवेश प्रक्रिया के दौरान परीक्षा परिणाम घोषित होने की स्थिति में रूक जाना नहीं योजना अन्तर्गत उत्तीर्ण आवेदक, स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन एवं पंजीयन शुल्क का भुगतान/दस्तावेज अपलोड/महाविद्यालय/पाठ्यक्रम चयन कर ई-प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। महाविद्यालय स्तर पर ई-सत्यापन पश्चात् ऐसे आवेदक अर्हता पूर्ण होने पर गुणानुक्रम अनुसार प्रवेश हेतु पात्र होंगे। परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में ऐसे आवेदक स्वाध्यायी (प्राइवेट) छात्र के रूप में शामिल होकर, अगले वर्ष पात्रता पूर्ण करने एवं स्थान रिक्त होने की दशा में नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रदेश प्राप्त कर सकेंगे।

प्रश्न 50 विषय चयन कब और कैसे करना है ?

उत्तर कब-महाविद्यालय / संकाय आवंटन पश्चात् प्रवेश शुल्क भुगतान के पूर्व आवेदकों को ऑनलाइन विषय चयन करना होगा। कैसे- आवेदकों को महाविद्यालय आवंटित होने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में नवीन पाठ्यक्रम अनुसार सर्वप्रथम ऑनलाइन विषय चयन की प्रक्रिया के अंतर्गत पूर्व पात्रतानुसार तीन मुख्य विषय पोर्टल पर प्रदर्शित होंगे। आवेदक आवंटित तीन मुख्य विषय को ही मेजर, माइनर, इलेक्टिव चयनित कर सकता है। आवेदक अभिरुचि अनुसार तीन मुख्य विषय में से वैकल्पिक विषय के स्थान पर अन्य संकाय से तीसरे विषय का चयन भी कर सकता है। आवेदक को किसी भी संकाय से एक जैनेरिक विषय एवं एक व्ययसायिक विषय का चयन करना स्वैच्छिक होगा।

प्रश्न 51 योजना का चयन कब और कैसे करना है ?

उत्तर कब-ऑनलाइन प्रवेश शुल्क भुगतान करते समय योजना का चयन करना होगा।

कैसे-आवेदक पात्रतानुसार ऑनलाइन पोर्टल पर मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना/मुख्यमंत्री जनकल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना / मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना में से किसी एक योजना का बटन क्लिक कर निःशुल्क प्रवेश प्राप्त कर सकता है।

प्रश्न 52 मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना का लाभ कैसे लिया जा सकता है ?

उत्तर यह योजना केवल स्नातक स्तर पर प्रदान की जावेगी। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना का लाभ लेने हेतु आवश्यक है कि आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो। आवेदक के पिता/पालक की वार्षिक आय छःलाख रुपये से कम हो। आवेदक ने 12वीं परीक्षा मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल से 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अथवा सी.बी.एस.ई./आई.सी.एस.ई बोर्ड से 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की हो।

प्रश्न 53 मुख्यमंत्री जन कल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना का लाभ कैसे लिया जा सकता है ?

उत्तर यह योजना स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर प्रदान की जावेगी। विद्यार्थी के माता/पिता का म.प्र. शासन के श्रम विभाग में असंगठित कर्मकार के रूप में पंजीयन होना अनिवार्य है।

प्रश्न 54 प्रवेश शुल्क भुगतान के समय ट्रांजेक्शन फेल (व्यध्वजपवर भस) होने की स्थिति में क्या करना होगा

उत्तर आवेदक द्वारा पोर्टल के माध्यम से किये गये प्रवेश शुल्क का ट्रांजेक्शन यदि फेल होता है तो इस राशि की वापसी उसी बैंक खाते में आयेगी जिस बैंक खाते से आवेदक ने भुगतान किया है। प्रवेश शुल्क का ट्रांजेक्शन फेल होने की स्थिति में आवेदक का प्रवेश सुनिश्चित नहीं होगा। अतः ट्रांजेक्शन के फेल होने की स्थिति में आवेदक को पुनः पोर्टल के माध्यम से निर्धारित समय सीमा में प्रवेश शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। अन्यथा आवेदक का नाम प्रदेश सूची में दर्शित नहीं होगा।

प्रश्न 55 प्रवेश शुल्क भुगतान किस प्रकार किया जा सकता है ?

उत्तर प्रवेश शुल्क का भुगतान आवेदक नेट बैंकिंग/क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/यू.पी.आई के माध्यम से स्वयं कर सकेगा या उपरोक्त सुविधा उपलब्ध न होने पर कियोस्क के माध्यम से शुल्क भुगतान कर प्रदेश प्राप्त कर सकेगा।

प्रश्न 56 क्या प्रवेश के समय ही प्रवेश शुल्क की सम्पूर्ण राशि का भुगतान करना होगा ?

उत्तर शासकीय महाविद्यालय में आवेदक को ऑनलाइन विषय चयन करने के उपरांत समान्य / परम्परागत पाठ्यक्रमों हेतु सम्पूर्ण प्रवेश शुल्क एवं नामांकन शुल्क एक गुश्त जमा करना होगा। स्ववित्तीय पाठ्यक्रमों में यह राशि दो किश्तों में जामा होगी जिसकी पहली किश्त प्रवेश के समय जमा करनी होगी एवं द्वितीय किश्त महाविद्यालय स्तर पर जमा करना अनिवार्य होगा।

प्रश्न 57 सर्टिफिकेट कोर्स की चयन प्रक्रिया क्या होगी ?

उत्तर विश्वविद्यालय / महाविद्यालय स्तर पर संचालित छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स में संस्था में प्रवेशित

नियमित विद्यार्थी ही प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। ऐसे विद्यार्थियों की जानकारी महाविद्यालय स्तर से सर्टिफिकेट कोर्सवार ऑनलाइन पोर्टल पर प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने के 30 दिवस की समयावधि में अद्यतन करना अनिवार्य होगा।

प्रश्न 58 हितग्राही योजना परिवर्तन किस प्रकार किया जा सकता है ?

उत्तर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया समाप्ति के पश्चात् उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार घोषित समय सीमा में विद्यार्थी प्रवेशित महाविद्यालय में पात्रता अनुसार मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना / मुख्यमंत्री जनकल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना / मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना में परिवर्तन कर सकेंगे। योजना परिवर्तन करने पर नियमानुसार प्रवेश शुल्क जमा / वापसी करना अनिवार्य होगा।

प्रश्न 59 प्रवेश पश्चात् विषय/पाठ्यक्रम/संकाय परिवर्तन की प्रक्रिया क्या होगी ?

उत्तर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया समाप्ति के पश्चात् उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार घोषित समय सीमा में प्रवेशित महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु पात्रता अनुसार संबंधित संकाय / कक्षा/ विषय में स्थान रिक्त होने पर परिवर्तन संबंधी कार्यवाही की जायेगी, निर्धारित समय सीमा में विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय स्तर पर प्रस्तुत आवेदनों पर पात्रता / गुणानुक्रम का उल्लंघन न होने की शर्त पर विषय/पाठ्यक्रम/संकाय में परिवर्तन की कार्यवाही की जा सकेगी।

प्रश्न 60 क्या स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष/तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर हेतु ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया होगी ?

उत्तर सत्र 2024-25 में स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष/तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर हेतु ऑनलाइन प्रवेश नवीनीकरण की प्रक्रिया होगी, महाविद्यालय द्वारा पात्र विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रमोट किया जाएगा, तत्पश्चात् विद्यार्थी ई-प्रवेश पोर्टल पर नामांकन क्रमांक दर्ज कर फीस भुगतान कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

प्रश्न 61 प्रवेश शुल्क जमा करते समय लाइली लक्ष्मी योजना 2.0 का चयन करने के पश्चात क्या मुझे मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना / मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना (संबल) /कोविड-19 बाल कल्याण योजना का लाभ भी प्राप्त हो सकेगा ?

उत्तर किसी भी आवेदक को पात्रता अनुसार एक से अधिक छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त नहीं हो सकता किन्तु

छात्रवृत्ति के साथ पात्रतानुसार प्रोत्साहन योजना का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

प्रश्न 62 08 वर्ष पूर्व स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर अनुत्तीर्ण हूँ क्या मैं सत्र 2024-25 में उसी विषय में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश ले सकूंगा ?

उत्तर हाँ। प्रदेश प्रक्रिया के सी.एल.सी. चरण में स्थान रिक्त रहने पर प्रवेश प्राप्त हो सकेगा।

प्रश्न 63 मुझे स्नातकोत्तर कक्षा हेतु पंजीयन कराना था किन्तु त्रुटिवश स्नातक में पंजीयन हो गया त्रुटिसुधार हेतु क्या प्रावधान है।

उत्तर इस हेतु मार्गदर्शिका 2024-25 की कण्डिका 5.1.8 का अध्ययन कर प्रक्रिया पूर्ण करें।

प्रश्न 64 मैंने पूर्व में पंजीयन नहीं करवाया है किन्तु पंजीयन करते समय अनुक्रमांक दर्ज करने पर पूर्व में पंजीकृत : सितमंकल त्महपेजमतनकद्ध का संदेश पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहा है। मुझे क्या करना होगा।
उत्तर इस हेतु मार्गदर्शिका 2024-25 की कण्डिका 5.1.9 का अध्ययन कर प्रक्रिया पूर्ण करें।

विश्वविद्यालय (हेल्प सेन्टर्स) को ऑनलाइन सत्यापन हेतु विशेष निर्देश

1. पंजीयन आवेदन करते समय सर्वप्रथम आवेदक का नाम/माता/पिता के नाम एवं जन्मतिथि (10वीं अंकसूची) से मिलान कर सूक्ष्म जाँच अनिवार्यतः करें।
2. अपलोड किए गए मूल प्रमाणपत्रों की भी सूक्ष्म जाँच की जावे।
3. अधिभार हेतु अपलोड किए गए प्रमाणपत्रों की वैधता एवं पात्रता हेतु निर्धारित समयावधि (मार्गदर्शिका में उल्लेखित कण्डिका 5.4.4 अनुसार) की गंभीरता पूर्वक जाँच करें।
4. आवेदक द्वारा दर्ज की गई श्रेणी अनुसार ही प्रमाण पत्र अपलोड किया गया है, यह सुनिश्चित कर ले जैसे- आवेदक द्वारा दर्ज की गई श्रेणी एस.सी. (अनुसूचित जाति) एवं अपलोड किया गया प्रमाण पत्र एस.टी. (अनुसूचित जनजाति) का होने पर त्रुटि सुधार में डाले।
5. आवेदक द्वारा विशेष प्रोत्साहन के लाभ हेतु अपलोड किए गए प्रमाणपत्रों की मार्गदर्शिका की कण्डिका 27.1 से 27.6 का सतर्कता पूर्वक अवलोकन कर ही सत्यापन पूर्ण किया जाए।
6. योग्यता के विवरण (Qualification Details) में आवेदक के अनुक्रमांक/परीक्षा का वर्ष/परीक्षा परिणाम /कुल प्राप्तांक एवं पूर्णांक अपलोड की गई 12 वीं/ स्नातक अंक सूची से आवश्यक रूप से मिलान करें।
7. स्नातकोत्तर स्तर पर योग्यता के विवरण में (Qualification Details) से सुनिश्चित कर ले कि आवेदक ने स्नातक उत्तीर्ण विश्वविद्यालय का नाम सही दर्ज किया है।
8. हेल्प सेन्टर लॉगिन आई.डी. पर विभाग द्वारा आवंटित पंजीयन आवेदन प्राप्त होते ही सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करें।
9. यदि आवेदन त्रुटि सुधार (Send Back/Edit/Correction) हेतु प्रेषित किया गया है तो आवेदक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर सूचित करना अनिवार्य होगा। इस हेतु महाविद्यालय स्तर पर ऐसी त्रुटिपूर्ण प्रकरणों की जानकारी का संधारण किया जावेगा।